RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 255 ता. 21 मार्च 2021, रविवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बिहार पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी में पश्चिमी इलाके के कई हार्डकोर नक्सली

मुजफ्फरपुर। बिहार के साहेबगंज थाने के पुलिस के हत्थे चढ़े युवकों ने पूछताछ के दौरान कई राज खोले हैं। उनलोगों ने पुलिस को बताया है कि वे पश्चिमी क्षेत्र के कई हार्डकोर नक्सलियों को पहचानते हैं। वे उनके संपर्क में भी थे। नक्सलियों के हथियार भी छुपाया करते थे। शुक्रवार को साहेबगंज पुलिस ने हथियार बरामदगी के लिए छापेमारी भी की। लेकिन, सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद तीनों युवकों को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों की माने तो पश्चिमी क्षेत्र के कई नक्सली पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। वे इन युवकों के माध्यम से फंड भी इक्ट्ठा कर रहे थे। इसके अलावा अपने क्षेत्र की बड़ी आबादी को जोड़ने में भी इनकी मदद ले रहे थे। ताकि, चुनाव मैदान में उतरने में मदद मिले। अपनी छवि समाजसेवी की तरह बनाना चाह रहे हैं। पुलिस ने तीनों युवकों से नक्सलियों के नाम और उनकी गतिविधियों की भी जानकारी ली है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मालूम हो कि, साहेबगंज पुलिस ने बाइक चेकिंग के दौरान तीनों युवकों को दबोचा था। इनका नक्सली रमेश पासवान की कारबाइन के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हुआ था। रमेश दो साल पहले पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

होली से पहले केंद्र ने राज्यों को दिए निर्देश, तेजी से बढ़ते कोविड-19 केस पर सरकार अलर्ट

नई दिल्ली। होली से पहले केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि लोग कोविड-19 नियमों जैसे- मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें और साफ-सफाई का पालन करें। केंद्र ने यह निर्देश देश के कई हिस्सों में कोरोना वायरस के मामलों में आई तेजी के बाद दिया है।

कोरोना नियमों पर केंद्र ने राज्यों को दिए निर्देश

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ की गई मीटिंग में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे कोरोना वायरस से बचने के एहतियाती कदमों का पालन करवाएं। अजय भल्ला ने कहा, 'पिछले 5 महीनों में कोरोना वायरस के मामलों में कमी के बाद बीते कुछ हफ्तों से देश के कई हिस्सों में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या बढ़ी है। यह देखा गया है कि इसका कारण कोविड-19 नियमों के पालन में ढील है, खासतौर पर भीड-भाड़ वाली जगहों पर।' उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों और आगामी त्योहारों के मद्देनजर यह जरूरी है कि कोविड-19 नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

● सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ की गई मीटिंग में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे कोरोना वायरस से बचने के एहतियाती कदमों का पालन करवाएं। अजय भल्ला ने कहा, 'पिछले 5 महीनों में कोरोना वायरस के मामलों में कमी के बाद बीते कुछ हफ्तों से देश के कई हिस्सों में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या बढ़ी है। यह देखा गया है कि इसका कारण कोविड-19 नियमों का पालन में ढील है, खासतौर पर भीड-भाड़ वाली जगहों पर।'

महाराष्ट्र और पंजाब ने पाबंदियां सख्त-बता दें कि महाराष्ट्र और पंजाब में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर शुक्रवार से पाबंदियां और कड़ी कर दी गईं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि लॉकडाउन भी एक ऑप्शन है। वहीं शुक्रवार को देश में कोरोना संक्रमण के करीब 40 हजार मामले सामने आए जो करीब चार महीने में एक दिन में आए सबसे ज्यादा मामले हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने अफवाहों को किया खारिज

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में पैदा हो रहीं आशंकाओं को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि दुनियाभर में वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद वैक्सीन को मंजूरी दी गई है और हमें इन पर विश्वास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत में जिन दो वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सिन को इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है, वे सुरक्षा, प्रभावशीलता और इम्युनिटी पैदा करने के मानकों पर पूरी तरह खरी उतरती हैं। हालांकि वैज्ञानिक को मानना है कि देश के हर नागरिक को वैक्सीन की जरूरत नहीं है।

दिल्ली से लखनऊ जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में लगी आग

गाजियाबाद स्टेशन पर मची अफरातफरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस की जेनरेटर कार में आग लग गई। जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही रेलवे के कर्मचारी पहुंचे और अधिकारियों ने तत्काल लखनऊ शताब्दी ट्रेन की जेनरेटर कार को ट्रेन से अलग किया है। आग बुझाने में टीम जुट गई। इसके चलते इस रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों को साहिबाबाद स्टेशन व उसके पहले ही रोका गया है। हालांकि हादसे में किसी के भी हताहत की कोई सूचना नहीं है। ट्रेन की लगेज बोगी में आग कैसे लगी, इसका पता लगाया जा रहा है। दमकल कर्मियों ने बताया कि ट्रेन के पीछे रहने वाली लगेज सह जेनरेटर कार में आग लगी है। घटना को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। आपको बता दें कि इससे पहले बुधवार को दिल्ली से टनकपुर जा रही पूर्णागिरि जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन रोलडाउन हो गई थी। अपने गंतव्य को जाने से बजाए ट्रेन अपनी विपरीत दिशा में दौड़ पड़ी थी। हड़बड़ाहट के बाद गार्ड और लोको स्टाफ ने कंट्रोल को सूचना दी। बमुश्किल ट्रेन को खटीमा के गेट संख्या 35 पर जैसे तैसे रोका जा सका। यहां यात्रियों को उतारकर सड़क मार्ग से आगे भेजा गया।

● आग बुझाने में टीम जुट गई। इसके चलते इस रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों को साहिबाबाद स्टेशन व उसके पहले ही रोका गया है। हालांकि हादसे में किसी के भी हताहत की कोई सूचना नहीं है।

शादी जैसे समारोह से बढ़ रहा कोरोना, वायरस के बढ़ते मामलों पर सरकार ने कही ये बातें

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर कोरोना का प्रकोप देखने को मिल रहा है। सरकार ने देश में वायरस के दूसरी लहर के आने की आशंका जताई है। हर रोज़ रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। सरकार के आकलन के अनुसार शादियों जैसे कार्यक्रम के वजह से मामलों की संख्या में वृद्धि देखने को मिली है। सरकार ने यह भी कहा है कि हाल के महीनों नें लोग थोड़े ढील पड़ गए जिससे वायरस पहले की तरह उभर रहा है।

भारत ने करीब 40 हजार से अधिक मामले दर्ज किए। नवंबर के बाद से दर्ज किए गए ये सबसे ज्यादा आंकड़े हैं। फरवरी के दूसरे सप्ताह में औसतन देश सिर्फ 11 हजार मामले दर्ज कर रहा था। अब जो मामले सामने आ रहे है वो इसके लगभग चार गुना है। नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा, सुपरस्प्रेडर दिखाता है कि लोगों का व्यवहार शिथिल हो गया है, हमें समझना चाहिए कि अभी भी आबादी का एक बड़ा हिस्सा कमजोर है। खासकर गांव में रह रही आबादी का। हम इस स्तर पर ढील देने का जोखिम नहीं उठा सकते है। हमें सामूहिक

समारोह में जाने से बचना चाहिए। क्योंकि इस करह के समारोह सुपरस्प्रेडिंग इवेंट बन सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, विशेष रूप से उन जिलों में आरटी-पीसीआर परीक्षण को बढ़ाना है जहां सकारात्मकता दर की रिपोर्ट सामने आ रही हैं। पंजाब में राज्य के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कम से कम 30 सुपर-स्प्रेडर उदाहरण पाए हैं, जहां एक ही घटना से 10 से अधिक मामले दर्ज किए गए। कोविड -19 के लिए राज्य के अधिकारी, डॉ राजेश भास्कर ने कहा कि इन घटनाओं के बारे में सटीक विवरण उपलब्ध नहीं थे, लेकिन कुछ उदाहरणों का हवाला दिया गया- दिल्ली में अमृतसर के एक परिवार में एक शादी हुई, जिसमें 38 में से 20 लोग संक्रमण हुए जिनका परीक्षण किया गया; मोहाली में एक अंतिम संस्कार, गए 18 में से आठ परीक्षण पॉजीटिव निकले और चंडीगढ़ में पंजाब सरकार का एक कार्यालय था, जहां परीक्षण किए गए 132 कर्मचारियों में से लगभग 70 संक्रमित थे।

दिल्ली में डॉक्टरों ने मामलों में मौजूदा उछाल के लिए शादियों, सामाजिक समारोहों और लोगों के मिलने-जुलने को दोषी ठहराया।

बिना मास्क पहने जा रही महिला को BMC कर्मी ने रोका, तो जड़ दिए थप्पड़ और घुसे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में लगातार कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। आर्थिक राजधानी मुंबई में भी लगातार कोरोना का कहर देखने को मिल रहा है जिसके बाद से प्रशासन कोरोना गाइडलाइन्स को लेकर सख्त हो गया है। इसी बीच मुंबई से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है जिसमें एक महिला को बीएमसी कर्मी को एक महिला ने महज इस लिए पीट दिया क्योंकि उसने महिला को मास्क पहनने के लिए कहा। महिला उस समय ऑटो में बैठने की कोशिश कर रही थी। मारपीट की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में महिला ऑटो में दिख रही है और एक नीली वर्दी पहने दूसरे महिला उसे रोकती है, नीली वर्दी पहने हुए महिला बीएमसी कर्मचारी है। बीएमसी कर्मी उस महिला को मास्क पहनने के लिए कहती है, इतने पर ही महिला को कर्मी को धक्का मारती है और चाटा मारने की कोशिश करती है। बीएमसी कर्मी महिला को कसकर पकड़ लेती है जिसके बाद महिला छूटने के लिए कर्मी पर जमकर थप्पड़ और घूसे बरसाने लगती है। ऑटो में आई

महिला चिल्लाते हुए कहती है, 'तेरी हिम्मत कैसी हुई मुझे पकड़ने की, मुझे हाथ कैसे लगाया ?' वीडियो में बीएमसी कर्मी कहती है कि मैं इसे जाने नहीं दूंगी, मौके पर भीड़ जमा हो जाती है।बता दें कि पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। महाराष्ट्र में बिना मास्क के घूमने पर 200 रुपये का जुर्माना है।

सभी को शुद्ध जल उपलब्ध कराने की तैयारी, पानी की जांच के लिए सरकार कर रही इस योजना पर काम

नई दिल्ली। 'नल से जल' की सुविधा के साथ शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए देशभर में टेस्टिंग लैब की नेटवर्किंग की जाएगी। इससे उपभोक्ता देश के किसी भी हिस्से से अपने यहां सप्लाई के पानी का परीक्षण करा सकेगा। प्रदूषित जल की आपूर्ति होने पर उसकी जांच रिपोर्ट संबंधित विभाग के पास भी भेजी जाएगी, ताकि समय रहते वहां शुद्ध जलापूर्ति की जा सके। पानी के कनेक्शन के साथ आधुनिक सेंसर जोड़ा जाएगा जिससे पानी की गुणवत्ता और मात्रा का आकलन किया जा सकेगा।

अन्य सहूलियतें देने का हो रहा उपाय-जलापूर्ति के लिए नल कनेक्शन पहुंचाने के साथ उपभोक्ताओं को अन्य सहूलियतें भी देने के उपाय शुरू कर दिए

गए हैं। इसके पहले चरण में जल की गुणवत्ता जांचने के लिए देशभर में कुल 2,000 टेस्टिंग लैब स्थापित कर दी गई हैं।

पानी की गुणवत्ता में होगा तत्काल सुधार-इन लैबों से प्राप्त टेस्ट रिपोर्ट उपभोक्ताओं को आनलाइन भेजने के साथ ही ये संबंधित पब्लिक हेल्थ इंजीनियर के पास भी पहुंच जाएगी। ताकि पानी की गुणवत्ता में तत्काल सुधार किया जा सके। बताया जाता है कि इन टेस्टिंग लैब में कोई भी उपभोक्ता अपने नल के पानी के सैंपल की जांच करा सकता है, जिसके लिए बहुत कम शुल्क लिया जाएगा।

यह है लक्ष्य-केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 तक देश के सभी घरों तक शुद्ध जल आपूर्ति करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2019 से ही चल रहे ग्रामीण जल जीवन मिशन का विस्तार कर दिया गया है। इसमें शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को भी शामिल कर लिया गया है। आगामी वित्त वर्ष 2020-21 के आम बजट में पौने तीन लाख करोड़ का भारी भरकम वित्तीय प्रविधान किया गया है।

राज्य मुख्यालय, जिला, ब्लाक व तहसील में होंगी लैब-प्रत्येक ग्रामीण घर में शुद्ध जल आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए टेस्टिंग लैब राज्य मुख्यालय, जिला, ब्लाक व तहसील में तो होंगी ही, इसके अलावा इनका और भी विस्तार किया जाएगा। जल जीवन मिशन के तहत उन क्षेत्रों में पानी कनेक्शन देने को प्राथमिकता दी जा रही है जिन क्षेत्रों का भूजल प्रदूषित है। मिशन के तहत अब तक आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित 27,544 बसावटों को पानी का कनेक्शन देकर वहां शुद्ध जल की आपूर्ति शुरू कर दी गई है।

कितनी पीढ़ियों तक जारी रहेगा कोटा? सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- 50 प्रतिशत की सीमा नहीं रहने पर समानता का क्या मतलब रहेगा?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मराठा कोटा मामले की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को जानना चाहा कि कितनी पीढ़ियों तक आरक्षण जारी रहेगा। शीर्ष न्यायालय ने 50 प्रतिशत की सीमा हटाए जाने की स्थिति में पैदा होने वाली असमानता को लेकर भी चिंता प्रकट की। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ से कहा कि कोटा की सीमा तय करने पर मंडल मामले में (शीर्ष न्यायालय के) फैसले पर बदली हुई परिस्थितियों में पुनर्विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि न्यायालयों को बदली हुई परिस्थितियों के मद्देनजर आरक्षण कोटा तय करने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ देनी चाहिए और मंडल मामले से संबंधित फैसला 1931 की जनगणना पर आधारित था। मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने वाले महाराष्ट्र के कानून के पक्ष में दलील देते हुए रोहतगी ने मंडल मामले में फैसले के विभिन्न पहलुओं का हवाला दिया। इस फैसले को इंदिरा साहनी मामला के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों (ईब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का केंद्र सरकार का

फैसला भी 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, 'यदि 50 प्रतिशत की सीमा या कोई सीमा नहीं रहती है, जैसा कि आपने सुझाया है, तब समानता की क्या अवधारणा रह जाएगी। आखिरकार, हमें इससे निपटना होगा। इस पर आपका क्या कहना है...इससे पैदा होने वाली असमानता के बारे में क्या कहना चाहेंगे। आप कितनी पीढ़ियों तक इसे जारी रखेंगे।'

पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति रविंद्र भट शामिल हैं। रोहतगी ने कहा कि मंडल फैसले पर पुनर्विचार करने की कई वजह है, जो 1931 की जनगणना पर आधारित था। साथ ही, आबादी कई गुना बढ़ा कर 135 करोड़ पहुंच गई है।

पीठ ने कहा कि देश की आजादी के 70 साल गुजर चुके हैं और राज्य सरकारें कई सारी कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं तथा क्या हम स्वीकार कर सकते हैं कि कोई विकास नहीं हुआ है, कोई पिछड़ी जाति आगे नहीं बढ़ी है। न्यायालय ने यह भी कहा कि मंडल से जुड़े फैसले की समीक्षा करने का यह उद्देश्य भी है कि पिछड़ेपन से जो बाहर निकल चुके हैं, उन्हें अवश्य ही आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए।

इस पर रोहतगी ने दलील दी, हां, हम आगे बढ़े हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि पिछड़े वर्ग की संख्या 50 प्रतिशत से घट कर 20 प्रतिशत हो गई है। देश में हम अब भी भूख से मर रहे हैं...मैं यह नहीं कहने की कोशिश कर रहा हूं कि इंदिरा साहनी मामले में फैसला पूरी तरह से गलत था और इसे कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। मैं यह मुद्दा उठा रहा हूं कि 30 साल हुए हैं, कानून बदल गया है, आबादी बढ़ गई है, पिछड़े लोगों की संख्या भी बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में जब कई राज्यों में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक है, तब यह नहीं कहा जा सकता कि यह ज्वलंत मुद्दा नहीं है और 30 साल बाद इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत नहीं है। मामले में बहस बेनतीजा रही और सोमवार को भी दलील पेश की जाएगी। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय बंबई उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले और सरकारी नौकरियों में मराठा समुदाय को आरक्षण देने को कायम रखा गया था।

सार समाचार

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, रोहिंग्याओं पर जानकारी एकत्र की जा रही है: विज

अंबाला। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में रह रहे रोहिंग्याओं के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है और भारत 'कोई धर्मशाला नहीं है' जहां हर कोई आकर रह सकता है। विज ने कहा, 'हम उनके बारे में जानकारी एकत्र कर रहे हैं।' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमारा देश कोई धर्मशाला नहीं है जहां कोई भी आकर रहना शुरू कर देगा।' कई रोहिंग्या शरणार्थी जम्मू, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बस गए हैं, जबकि इस तरह की कुछ रिपोर्ट भी है कि हरियाणा के मेवात में भी उनकी उपस्थिति है।

दिल्ली वालों की सुबह रही खूबसूरत लेकिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब

नयी दिल्ली। दिल्ली में शनिवार की सुबह आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। रविवार को 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'सफर' ऐप के मुताबिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 293 रहा। गौरतलब है कि 201 से 300 के बीच के एक्यूआई को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 को गंभीर श्रेणी का माना जाता है, जबकि 500 से ज्यादा का एक्यूआई अत्यंत गंभीर श्रेणी में आता है।

केंद्र सरकार का राज्यों को निर्देश, सुनिश्चित करें कि लोग कोरोना नियमों का पालन करें

नयी दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि लोग कोविड-19 नियमों जैसे मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाये रखने और साफ-सफाई के नियमों अनुपालन करें। केंद्र ने यह निर्देश देश के कई हिस्सों में कोविड-19 के मामलों में तेजी से हुई वृद्धि के मद्देनजर दिया है। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से किए गए संवाद में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे कोविड-19 से बचने के एहतियाती कदमों को प्रोत्साहित करें और सुनिश्चित करें कि लोग मास्क पहने, सामाजिक दूरी का पालन करें और साफ सफाई का ध्यान रखे।

अमरनाथ यात्रा पर कोई खतरा नहीं, सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाए जा रहे: दिलबाग सिंह

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आगामी अमरनाथ यात्रा पर कोई खतरा नहीं है और सुरक्षा के लिये सभी कदम उठाए जा रहे हैं। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी इलाके में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित प्रसिद्ध गुफा मंदिर की 56 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा इस साल 28 जून को शुरू होगी और परंपरा के अनुसार 22 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन संपन्न होगी। सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अमरनाथ यात्रा पर कोई खतरा नहीं है। यात्रा के लिये सभी सुरक्षा प्रबंध किये जा रहे हैं।

अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों को चेताया, बोले- लापरवाही की तो सख्त कदम उठाएगी सरकार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य के सभी लोगों को कोरोना वायरस संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर की आशंका के मद्देनजर लोगों को चेताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को लापरवाही की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मास्क पहनने की अनिवार्यता का कानून लागू है और सभी लोग इसका पालन आवश्यक रूप से करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर लोग लापरवाही करेंगे तो सरकार और भी सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों में देश के कई राज्यों में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ा है। और राजस्थान में भी संक्रमण के मामले बढ़े हैं। गहलोत ने कहा कि राजस्थान अब तक टीकाकरण में सबसे आगे रहा है। हमें इस काम को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा। हालांकि यह कार्य टीके की अधिक आपूर्ति से ही संभव हो सकेगा।

व्हाट्सऐप यूजर्स को मैसेज भेजने और प्राप्त करने में हुई दिक्कत, जल्द बहाल हुई सेवा

नयी दिल्ली। व्हाट्सऐप के हजारों उपयोगकर्ताओं को शुक्रवार रात को कुछ समय के लिए दिक्कत हुई क्योंकि उन्होंने इस मंच के माध्यम से संदेश भेजने और प्राप्त करने में कथित तौर पर परेशानी आने की शिकायत की। हालांकि, सेवाएं जल्द ही बहाल हो गई। स्वतंत्र ट्रैकिंग पोर्टल 'डाउनडिटेक्टर' के मुताबिक उपयोगकर्ताओं ने दिक्कत होने की शिकायत की। हालांकि कंपनी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

असम चुनाव: कांग्रेस के घोषणापत्र में गृहणियों को 2,000 रुपये प्रति माह, लोगों को मुफ्त बिजली के वादे

गुवाहटी। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए ''पांच गारंटी'' दी। इनमें प्रत्येक गृहिणी को हर महीने 2,000 रुपये देने और संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को निष्प्रभावी करने के लिए कानून लाना शामिल है। पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए राहुल ने कहा कि उनकी पार्टी असम के विचार (आईडिया) की हिफाजत करेगी, जिस पर भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) हमले कर रही है।

उन्होंने कहा, ''हालांकि, इस दस्तावेज में कांग्रेस का निशान (चुनाव चिह्न) है, लेकिन असल में यह लोगों का घोषणापत्र है। इसमें असम के लोगों की आकांक्षाएं समाहित हैं।'' कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में पांच लाख सरकारी नौकरियां देने और सभी को हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया है। इसके अलावा, चाय बागान श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ा कर 365 रुपये करने का भी वादा किया गया है।

राहुल ने कहा कि कांग्रेस असम के उस विचार की हिफाजत करने का वादा करती है, जिसमें संस्कृति, भाषा, परंपरा, इतिहास और सोचने का तरीका समाहित है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, ''यह हमारा वादा है। आप जानते हैं कि भाजपा और आरएसएस भारत तथा असम की विविधतापूर्ण संस्कृति पर हमले कर रहे हैं। हम इससे रक्षा करेंगे।

वैक्सीन लगने के बाद कितने दिन तक नहीं होगा कोरोना?

कोरोना टीका आठ-दस महीने तक सुरक्षा देने में सक्षम हो सकता है: एम्स निदेशक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 टीका आठ से दस महीने तक संक्रमण से पूरी सुरक्षा देने में सक्षम हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीके का कोई बड़ा दुष्प्रभाव सामने नहीं आया है। गुलेरिया ने आईपीएस (सेंट्रल) एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, कोविड-19 टीका आठ से दस महीने और शायद इससे भी ज्यादा समय तक संक्रमण से पूरी सुरक्षा दे सकता है। उन्होंने कहा कि मामलों में उछाल का सबसे बड़ा कारण यह है कि लोगों को लगता है कि महामारी खत्म हो गई है और वे कोविड से बचाव के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

अधिकारी ने कहा, संक्रमण में वृद्धि के कई कारण हैं, लेकिन मुख्य कारण यह है कि लोगों के रवैये में बदलाव आया है और उन्हें लगता है कि कोरोना वायरस खत्म हो गया है। लोगों को अभी भी कुछ और समय के लिए गैर-जरूरी यात्रा को स्थगित करना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल ने कहा कि संक्रमण की श्रृंखला को रोकना होगा और इसके लिए टीका एक उपकरण है, लेकिन दूसरा है रोकथाम और निगरानी रणनीति। उन्होंने कहा, कोविड-19 मानकों का पालन नहीं करना और लापरवाही उछाल का प्रमुख कारण है। अधिक लोगों का टीकाकरण करने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, पॉल ने कहा कि टीके का यह मुद्दा सीमित है और यही कारण है कि प्राथमिकता तय की गई है। उन्होंने कहा, अगर हमारे पास असीमित आपूर्ति होती तो हम सभी के लिए टीकाकरण शुरू कर देते। यही कारण है कि हर किसी को टीके नहीं लगाए जा रहे हैं। दुनिया के अधिकांश देश इस वजह से प्राथमिकता समूह से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। नीति आयोग के सदस्य ने यह भी कहा कि सबसे ज्यादा मृत्यु दर वृद्धावस्था वाले लोगों में देखी गई। उन्होंने कहा, इन लोगों को टीके लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। इसलिए संदेश यह है कि उन्हें इसकी आवश्यकता दूसरों की तुलना में अधिक है। यही कारण है कि उन्हें कोविड-19 टीके देने में प्राथमिकता दी गई है। उपलब्ध कोविड-19 टीकों- कोवैक्सीन और कोविशील्ड की प्रभावशीलता के बारे में बात करते हुए गुलेरिया ने कहा, ÷अगर हम दोनों टीकों को देखें, तो वे एक समान एंटीबॉडी का उत्पादन करते हैं और बहुत मजबूत हैं। हमें हमारे पास उपलब्ध टीके लगवाने चाहिए क्योंकि प्रभावकारिता और दीर्घकालिक सुरक्षा के संदर्भ में दोनों टीके समान रूप से प्रभावी हैं।÷ देश में अब तक चार करोड़ से अधिक लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं।

विधान सभा क्षेत्र मल्हनी की विकास पुस्तिका का विमोचन हुआ

संवाददाता जनार्दन गौड़

जौनपुर ।

नौपेड़वा विधान सभा क्षेत्र मल्हनी की विकास पुस्तिका का विमोचन योगी सरकार के चार साल पूरा होने के अवसर पर बख्शा ब्लॉक सभागार में आयोजित वर्षों में जो न हो पाया चार साल में कर दिखाया, कार्य क्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य , भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य जी ने भाजपा की चार साल की उलब्धियां बताई, प्रभारी खंड विकास अधिकारी बख्शा ने बख्शा ब्लॉक की चार साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।संचालन सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने किया।अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जौनपुर पुष्प राज सिंह ने किया ।

इस अवसर पर बख्शा ब्लॉक प्रमुख सजल सिंह, महिला आयोग की सदस्य अनीता सिद्धार्थ, पूर्व प्रत्याशी विधान सभा मल्हनी मनोज सिंह, भूपेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष भूपेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार उपाध्याय,अशोक शुक्ला, मंडल महामंत्री सूर्य प्रकाश चौबे,विपिन पांडेय,बनारसी निषाद,जयप्रकाश गुप्ता,अवनीश दूबे, विकास गौतम, शैलेन्द्र दुबे ,आशीष जायसवाल आदि रहे।

भारत और फ्रांस अपने तीसरे संयुक्त सैटेलाइट मिशन पर कर

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

भारत और फ्रांस अपने तीसरे संयुक्त सैटेलाइट मिशन पर काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग भी काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें ह्यूमन स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम शामिल है। इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने इसकी जानकारी दी है। अंतरिक्ष विभाग के सचिव सिवन ने कहा कि कई फ्रांसीसी कंपनियां हाल ही में सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाना चाह रहे हैं। फ्रांस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा भागीदार है। उन्होंने डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) के एक इवेंट के दौरान में कही। शुक्रवार को नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन और 'विज्ञान प्रसार' द्वारा वर्चुअल मोड पर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इसरो के अधिकारियों के अनुसार, इसरो और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी द स्पेस सेंटर फॉर स्पेस स्टडीज़ ने दो संयुक्त मिशन मेघा-ट्रॉपिक्स और सरल-अल्टिका शुरू किए हैं। मेघा-ट्रॉपिक्स साल 2011 और सरल-अल्टिका 2013 में शुरू हुआ था। सिवन ने कहा कि वर्तमान में, हम तीसरे मिशन के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इसरो और सीएनइएस ने थर्मल इंफ्रारेड इमेजर हाई रेजोल्यूशन नैचुरल रिसोर्स असेसमेंट के लिए थर्मल इंफ्रारेड इमेजिंग सैटेलाइट के साथ पृथ्वी अवलोकन उपग्रह मिशन को साकार करने के लिए अध्ययन पूरा कर लिया है। अब संयुक्त विकास के लिए व्यवस्था को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भारत-फ्रांसीसी अंतरिक्ष सहयोग और बढ़ने की उम्मीद

सिवन ने कहा कि भारत अंतरिक्ष अभियानों में वैज्ञानिक उपकरणों के संयुक्त प्रयोग पर भी फ्रांस के साथ मिलकर काम कर रहा है। स्पेस एक्सप्लोरेशन और ह्यूमन स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम सहित कई डोमेन में इंडो-फ्रेंच अंतरिक्ष सहयोग का विस्तार हो रहा है। सिवन ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सरकार द्वारा हाल ही में किए गए सुधारों के कारण भारत-फ्रांसीसी अंतरिक्ष सहयोग और बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि फ्रांस की कई कंपनियां इसका फायदा उठाना चाहती हैं।

गुजरात में आदिवासियों के लिए शब्दों के इस्तेमाल को लेकर भाजपा-कांग्रेस में टकराव

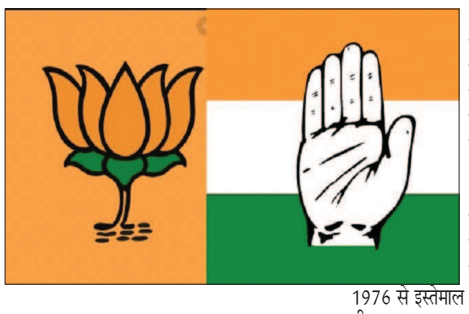

गांधीनगर। (एजेंसी)।

गुजरात विधानसभा में विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को भाजपा सरकार से आदिवासियों का जिक्र करते हुए ''वनवासी'' और ''वनबंधु'' शब्दों का इस्तेमाल न करने के लिए कहा और दावा किया कि ये शब्द असंवैधानिक तथा अपमानजनक हैं। कांग्रेस ने राज्य सरकार से आदिवासी समुदाय को केवल ''आदिवासी'' कहने तथा इस संबंध में एक परिपत्र जारी करने के लिए कहा। राज्य के आदिवासी कल्याण मंत्री गणपत वसावा ने कहा कि ये शब्द बरसों से इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और यहां तक कि राज्य तथा केंद्र में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने आदिवासी कल्याण योजनाओं में ''वनबंधु'' और ''वनवासी'' शब्दों का जिक्र किया था।

वसावा ने विधानसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''ये शब्द केवल कुछ आदिवासी कल्याण योजनाओं जैसे कि वनबंधु कल्याण योजना में इस्तेमाल किया जाता है। हमारी सरकार ने आदिवासी शब्द के स्थान पर 'वनवासी' और 'वनबंधु' इस्तेमाल करने का कोई परिपत्र जारी नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन शब्दों को नहीं गढ़ा है बल्कि ये 1976 से इस्तेमाल में हैं जब गुजरात में कांग्रेस सत्ता में थी।

कांग्रेस विधायक चंद्रिका बारिया ने दावा किया कि इन शब्दों के इस्तेमाल से आदिवासियों की भावनाएं आहत होती है जबकि एक अन्य आदिवासी विधायक अनिल जोशीरा ने सरकार से इन शब्दों पर रोक लगाने और केवल आदिवासी शब्द का इस्तेमाल करने के लिए कहा। जोशीरा ने कहा, '''वनवासी' शब्द असंवैधानिक है। इसका साफ तौर पर मतलब वन में रह रहे 'जंगली' (असभ्य) लोगों से है। आदिवासियों के लिए आदिवासी ही उचित शब्द है। आदिवासी का मतलब है बरसों से इस सरजमीं पर रह रहे लोग हैं। इन शब्दों पर रोक लगाने के लिए कृपया एक परिपत्र जारी करें।

सीएम उद्धव को परमबीर सिंह ने लिखी चिट्ठी,

गृहमंत्री देशमुख पर 100 करोड़ मांगने का लगाया आरोप

मुंबई। (एजेंसी)।

एंटीलिया केस में नित्य नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इन सबके बीच मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर बड़ा आरोप लगाया है। परमबीर ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखी चिट्ठी में यह आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व पुलिस आयुक्त ने अनिल देशमुख पर हर महीने 100 करोड़ रुपए मांगने का आरोप लगाया है। परमबीर ने अपनी चिट्ठी में खुलासा किया है कि सचिन वाजे ने उन्हें बताया था कि अनिल देशमुख ने उससे हर महीने 100 करोड़ रुपए की मांग की है। फिलहाल इस मामले को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर से तेज हो गई है।

हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इस चिट्ठी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह भी दावा किया जा रहा है कि चिट्ठी पर परमबीर सिंह के हस्ताक्षर भी नहीं है। इस मामले में विपक्ष गृह मंत्री अनिल देशमुख की इस्तीफे की मांग कर रहा है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक मिलने के मामले से 'निपटने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह का तबादला कर दिया था। राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हेमंत नागराले सिंह की जगह मुंबई पुलिस के नए आयुक्त होंगे।

सिंह का राज्य के होमगार्ड विभाग में तबादला कर दिया गया है। एनआईए का दावा है कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित घर के निकट जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के मामले में कुछ अन्य लोग भी शामिल थे, जो गिरफ्तार किये गए पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को कथित रूप से निर्देश दे रहे थे। एनआईए के सूत्रों ने कहा कि मामले की गुत्थी लगभग सुलझ चुकी है औरजल्द ही पूरे षड़यंत्र पर से पर्दा उठजाएगा।

घर तक राशन पहुंचाने की योजना का कोई नाम नहीं होगा: अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार का घर तक राशन पहुंचाने की योजना का कोई नाम नहीं होगा। केंद्र ने एक दिन पहले ही 'मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना' पर विराम लगा दिया था, जो 25 मार्च से शुरू होने वाली थी। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम केंद्र की सभी शर्तों को स्वीकार करेंगे, लेकिन योजना में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने देंगे।'' केंद्र सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार से कहा कि 'मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना' को लागू नहीं करें और कहा कि किसी राज्य को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत आवंटित खाद्यान्न के इस्तेमाल की ''अनुमति नहीं'' है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की तरफ से शुक्रवार की दोपहर को मिले पत्र में सूचित किया गया कि घर तक राशन पहुंचाने की योजना का नाम 'मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना' नहीं रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''संभवत- उन्हें मुख्यमंत्री शब्द पर आपत्ति है। हम श्रेय लेने के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसलिए अब योजना का कोई नाम नहीं होगा।

सोमवार को कैबिनेट की बैठक होगी और इसके प्रस्ताव केंद्र के पास भेजे जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम 20-22 वर्षों से इस योजना के सपने देख रहे हैं और पिछले दो-तीन वर्षों से व्यक्तिगत तौर पर मैं इसकी तैयारी कर रहा था, लेकिन केंद्र की तरफ से आपत्ति करने के बाद हमारा दिल डूब गया। अब हम इसके रास्ते में कोई बाधा नहीं आने देंगे और उनकी सभी शर्तों को मानेंगे।

ममता दीदी का मानसिक संतुलन बिगड़ा, उन्हें किसी सलाहकार की जरूरत है: शेखावत

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रचार-प्रसार के बीच में सियासत गर्माती जा रही है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने लगे हैं। नंदीग्राम से चुनाव लड़ रही तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने तो अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को गद्दार और मीरजाफर करार दिया है। जिस पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तो साफ-साफ शब्दों में यह कहा कि ममता दीदी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हार को सामने देखते हुए ममता बनर्जी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। राजनीतिक धरातल को देखकर उनका व्यक्तिगत शारीरिक संतुलन भी बिगड़ गया है। उन्हें इन दोनों को ठीक करने के लिए किसी सलाहकार की जरूरत है। आपको बता दें कि ममता दीदी ने शुभेंदु अधिकारी पर टिप्पणी की थी। ऐसे में उन्होंने ममता द्वारा की गई टिप्पणी को उनकी खींज बताया है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को नंदीग्राम से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया और अब लगातार नंदीग्राम और उसके आस-पास के इलाकों में चुनावी रैलियों के माध्यम से भाजपा पर जमकर हमला बोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए आठ चरणों में चुनाव होना है। ऐसे में ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के बीच अहम मुकाबले के लिए एक अप्रैल को वोटिंग होगी।

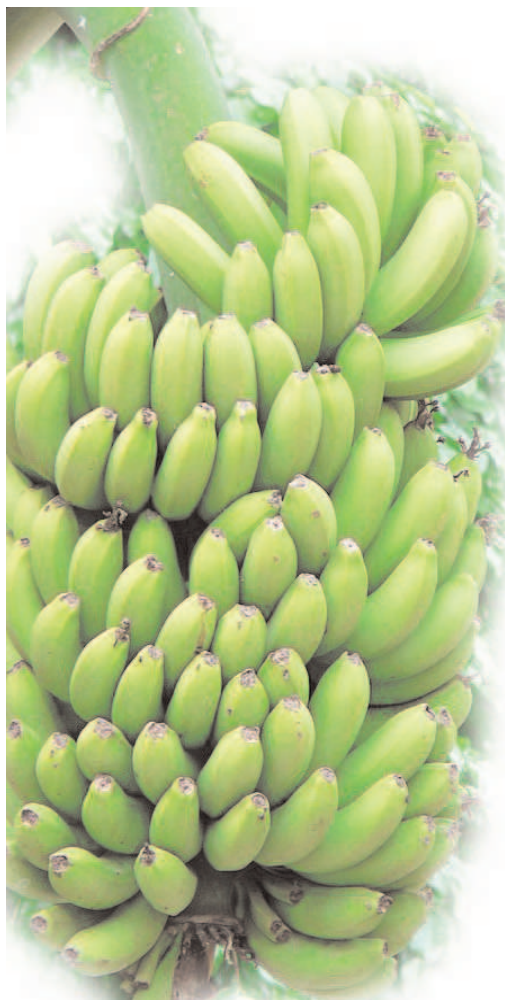

केले से आये बहार

(1) एच-1 (अग्निस्वार+पिसांग लिलिन)

यह लीफ स्पॉट फ्यूजेरियम बीमारी निरोधक कम अवधि वाली उपर्युक्त किस्म है. यह बरोइंग सूत्रकृमि के लिये अवरोधक है. इस संकर प्रजाति का पौधा मध्यम ऊंचाई 14-16 कि.ग्रा. का बंच होता है. फल लम्बे, पकने पर सुनहरे, पीले रंग के हो जाते हैं. हल्का खट्टा तथा मीठा खट्टी महक पकने पर आती है. यह किस्म जड़ी फसल के लिये उपयुक्त तीन वर्ष के फसल चक्र में चार फसलें ली जा सकती हैं.

रोपण सामग्री

केला रोपण हेतु तलवारनुमा आकार के अंत:भूस्तरीय जिनकी पत्तियां सकरी होती हैं. जिनको बीज के उपयोग में लाया जाता है. तीन माह पुराना सकर्स जिसका वजन 700 ग्राम से 1 कि.ग्रा. तक रोपण के लिये उपर्युक्त होते हैं.

भूमि की तैयारी एवं रोपण पद्धति

खेत की जुताई कर मिट्टी को भुर-भुरी बना लेना चाहिए जिससे भूमि का जल निकास उचित रहें तथा कार्बनिक खाद ह्यूमस के रूप में प्रचुर मात्रा में हो इसके लिये हरी खाद की फसल ले.

पौध अंतराल

कतार से कतार की दूरी 1.8 मीटर, पौधे से पौधे की दूरी 1.5 मीटर रखते है तथा पौधा रोपण के लिये 45345345 से.मी. आकार के गढ्ढे खोदे प्रत्येक गढ्ढे में 12-15 किग्रा. अच्छी पकी हुई गोबर या कम्पोस्ट खाद रोपण के पूर्व, साथ ही प्रत्येक गढ्ढे में 5 ग्राम थीमेट दवा मिट्टी में मिला दें.

बीज उपचार

प्रकंदों को उपचार के पूर्व साफ करें तथा जड़ों को पृथक कर दें 1 प्रतिशत बोर्डो मिक्चर तैयार कर प्रकंदों को उपचारित करें इसके बाद 3-4 ग्राम बाविस्टीन प्रति लीटर पानी का घोल प्रकंदों को 5 मिनिट तक उपचार करें.

खाद एवं उर्वरक की मात्रा एवं देने की विधि- केले की फसल अपने पूरे जीवन चक्र में रोपण 5-7 माह के अंदर प्रति पौधा सिंगल सुपर फास्फेट 1500 ग्राम, यूरिया 470 ग्राम ओर म्यूरेट ऑफा पोटाश 500 ग्राम, कम्पोस्ट खाद 5 कि.ग्रा. प्रति पौधा के हिसाब से दें. कम्पोस्ट खाद एवं फास्फोरस की पूर्ण मात्रा पौधा लगाते समय यूरिया एवं पोटाश डेढ़ माह के अंतराल से छः माह के अंदर चार बार में दें.

अंतरवर्तीय फसल

- मृग बहार :- इस फसल की रोपाई मई-जून महीने में की जाती है. जिसमें केले के साथ, मूंग, भिंडी, टमाटर, मिर्च, बैंगन इत्यादि फसलें ले सकते हैं.
- कांदा बहार- इस बहार के अंतर्गत आलू, प्याज, टमाटर, धनिया, बैंगन की फसलें ली जा सकती हैं.
- फसल में सस्य क्रियाएं :- केले की फसल में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. क्योंकि केले की जड़े अधिक गहरी नहीं जाती हैं. इसलिये पौधों को सहारा देने के लिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है. कभी-कभी कंद बाहर आ जाते है. जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है. इसलिये मिट्टी चढ़ाना जरूरी है.
- मल्चिंग- जमीन से जल वाष्पीकरण तथा खरपतवार द्वारा ह्रास होता है. तथा भूमि से पोषक तत्व भी खरपतवारों द्वारा लिये जाते है भूमि जल के वाष्पीकरण एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्लास्टिक सीट पौधे की जड़ों के चारों ओर लगाने से उपरोक्त क्षति से बचाव हो जाता है. इसके अतिरिक्त गन्ने के छिलके, सूखी घास, सूखी पत्तियां एवं गुड़ाई करने से जल ह्रास कम हो जाता है. प्लास्टिक की काली पॉलीथिन की मल्चिंग करने पर उत्पादकता में वृद्धि होती है.
- अंत:भूस्तरी (सकर्स) निकालना:- जब तक केले के पौधे में पुष्प गुच्छ न निकल पाएं तब तक सकर्स को नियमित रूप से काटते रहे. पुष्पण जब पूर्ण हो जावे तो एक सकर्स को रखा जाए तथा शेष को काटते रहे. यह ध्यान रखें कि एक वर्ष की अवधि तक एक पौधे के साथ एक सकर्स को ही बढ़ने दिया जाए वह जड़ी (रेटून) की फसल के रूप में उत्पादन देगा, बंच के निचले स्थान में जो नर मादा भाग है इसे काटकर उसमें बोर्डोपेस्ट लगा दिया जाए.
- सहारा देना- जिन किस्मों में बंच का वजन काफी हो जाता है. तथा स्युडोस्टेंडम के टूटने की संभावना रहती है. इसे बल्ली का सहारा देना चाहिये, केले के पत्ते से उसके डंठल को ढक दिया जाये.

पौधों को काटना- केला बंच पुष्पण से 110 से 130 दिनों में काटने योग्य हो जाते हैं. बंच काटने के पश्चात पौधों को धीरे-धीरे काटें, क्योंकि इस क्रिया से मातृप्रकंद के पोषक तत्व जड़ी वाले पौधे को उपलब्ध होने लगते है. फलस्वरूप उत्पादन अच्छा होने की संभावना बढ़ जाती है.

जल प्रबंधन- केले की फसल को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. केले के पत्ते बड़े-चौड़े होते हैं. एक पौधे के पत्तों का कुल क्षेत्रफल 50-60 वर्गमीटर होता है. इसलिए बड़े पैमाने पर पानी की वाष्पीकरण उत्सर्जन होने से केले को अधिक पानी की आवश्यकता होती है.

उन्नति का जरिया

अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते है, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

प्रवर्धन

सकर: पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली

शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशत: किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन: फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अत: पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

स्वादिष्ट खीरा उगाने की कला

जलवायु :- खीरा गर्म मौसम की फसल है। यह पाला सहन नहीं कर सकता है। तापमान अधिक कम होने पर इसका विकास अवरूद्ध हो जाता है। इसे पर्याप्त मात्रा में सूरज की रोशनी मिलनी चाहिये। खीरे की अच्छी वृद्धि और उपज के लिये तापमान 20-26 डिग्री सेन्टीग्रेड होना अच्छा पाया गया है।

भूमि :- खीरे को सभी प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है। फिर भी अच्छे उत्पादन के लिये उत्तम जल निकास वाली दोमट और रेतीली दोमट भूमि उपयुक्त रहती है। ऐसी भूमि जिसमें जैविक पदार्थ अच्छी मात्रा में उपलब्ध हो वह खीरे के लिये बढ़िया होती है। भूमि का पी.एच. मान 5.5 से 6.8 के बीच होना चाहिये। खेत में पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करके 2-3 जुताई देशी हल से कर लें। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा देकर मिट्टी को भुरभुरा समतल कर लेना चाहिए।

उन्नत किस्में :-

- जापानी लांग ग्रीन :- यह किस्म 45 दिनों में तैयार हो जाती है। इसके फल 30-40 से.मी. लंबे और हरे रंग के होते है।
- स्ट्रेट 8 :- फल साधारण, लंबे, मोटे, सीधे एवं बेलनाकार होते है।
- पोइनसट :- यह किस्म मृदुरोमिल रोग की प्रतिरोधी है।
- चायना :- यह अधिक उपज देने वाली किस्म है, इसके फल 50 से.मी. लंबे, सीधे एवं बेलनाकार होते हैं।
- पूसा संयोग :- यह अधिक उपज देने वाली अगेती किस्म है। यह 50 दिनों में तैयार हो जाती है, फल 22-30 से.मी. लंबे और बेलनाकार गहरे हरे रंग के होते हैं।
- इनके अलावा हिमांगी, पूसा खीरा, भीतल, प्रिया, पूसा, उदय, स्वर्ण पूर्णा आदि भी प्रचलित किस्में हैं।
- बोआई का समय :- इसे गर्मी तथा बरसात दोनों ही मौसम में लगाया जा सकता है। गर्मी की फसल की बोआई जनवरी से मार्च तक की जाती है तथा बरसाती फसल के लिये बोआई जून-जुलाई में की जाती है। बीज को बोने से पहले पानी में डुबाकर रख लें या 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन से उपचारित कर लें, जिससे बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है। बीज के पंक्तियों में बोना चाहिये। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 150 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 60-90 से.मी. रखना चाहिये। बरसात में थाले बनाकर बोआई करते है। प्रत्येक थाले में 3-4 बीज बोते है तथा बाद में एक-दो पौधों को ही रखते हैं।
- बीज दर :- एक हेक्टेयर के लिये 2.5-3.5 कि.ग्रा. बीज पर्याप्त होता है।
- खाद एवं उर्वरक :- खीरे में खाद एवं उर्वरकों की मात्रा उसकी किस्म, मृदा एवं जलवायु के हिसाब से विभिन्न होती है। फिर भी मोटे तौर पर निम्नलिखित मात्रा में खाद एवं उर्वरकों को प्रति हे. की दर से मृदा में मिलाया जा सकता है। गोबर खाद 370-490 क्विंटल, यूरिया 87 किलो सिंगल, सुपर फास्फेट 250 किलो, तथा म्यूरेट आफ पोटाश 167 किलो/हे. खेत तैयार करते समय गोबर खाद को मृदा में भली-भांति मिला दें। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा खेती की तैयारी में अच्छी तरह मिला लें नत्रजन की बची हुई आधी मात्रा फलन शुरू होने दें.
- सिंचाई :-बोआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई कर दें,

लगायें तरबूज-खरबूज

गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

पहली पद्धति

नदी की रेतीली भूमि (रिवर बेड) में तरबूज एवं खरबूज की बोआई हेतु गड्ढा पद्धति अपनाया जाता हैं। इस विधि में कतार से कतार की दूरी तथा पौधे से पौधे की बीच की दूरी 2-3 मी. रखी जाती है। गड्ढे/थाले का आकार 30 से.मी. चौड़ा तथा 60 से.मी. गहरा रखा जाता है। तैयार गड्ढे में उर्वरकों की सुझाई गई मात्रा आधी नत्रजन तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा को मिलाकर तैयार गड्ढों में गोबर खाद के साथ मिलावे साथ ही 2-3 ग्राम कार्बोक्यूरान कीटनाशक प्रति गड्ढा डालें। इस सभी को अच्छी तरह से मिलाने के पश्चात तरबूज एवं खरबूज 3-4 बीज प्रति गड्ढा की दर से बोआई करें। बोवाई से पूर्व बीजों को 24 घंटे के लिये पानी में डुबाने के पश्चात एक कपड़े की थैली में बीज को भरकर पोटली बनाकर 3-4 दिन के लिये गर्म स्थान में रखें जिससे अंकुरण जल्दी आये इसके पश्चात अंकुरित बीजों को फफूंदनाशक दवा जैसे- थाइरम 1 ग्राम या बावीस्टिन 1 ग्राम प्रति कि.ग्राम की दर से उपचारित कर लेना चाहिए।

दूसरी पद्धति

इस पद्धति में दियारा भूमि में कद्दूवर्गीय फसलों का उत्पादन करने के लिये 3 मीटर के अंतराल में 1 मीटर चौड़ी एवं 30 से.मी. मीटर गहरी ट्रेंच या गड्ढा तैयार किया जाता है। यह पद्धति उन स्थानों पर तैयार किये जाते हैं, जहां कि ऊपरी 2 मीटर का रेत अन-उपजाऊ होता है। टेंच तैयार करने के पश्चात पहली पद्धति के समान ही खाद कम्पोस्ट एवं उर्वरक की सुझाई गई मात्रा से ट्रेंच को भर दिया जाता है ट्रेंच में नीम की खली एवं सरसों की खली भी डालें। पलवार द्य पलवार बिछावन के उपयोग से अच्छा अंकुरण होता है।

द्य बीजों की बोवाई करने के पश्चात पैरा या खरपतवारों के अवशेष का पलवार (मल्चिंग) अवश्य बिछायें। जिससे मृदा की नमी एवं तापमान नियंत्रित रहे।

जब तरबूज एवं खरबूज के पौधे एक मीटर लम्बे हो जायें तब ट्रेंच से निकले रेत को दो कतार के बीच में बराबर कर दें तथा खरपतवार के सूखे पत्तों को दो कतारों के बीच में फैला देना चाहिए. इन फसलों के फल बाजार में फरवरी-मार्च में भेजने लायक हो जाते हैं।

पादप वृद्धि नियामकों का उपयोग

वर्तमान में सब्जी फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी हेतु पादप वृद्धि नियामकों का छिड़काव किया जा रहा है। कद्दूवर्गीय फसलों में मादा पुष्प की संख्या को बढ़ाने में वृद्धि नियामक कारगर साबित हुए हैं तथा उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है। खरबूज में 250 पीपीएम ईथरेल का छिड़काव करने से फल धारण क्षमता में वृद्धि होती है। इसका छिड़काव पौधों में दो-तीन सत्य पत्ती अवस्था में की जाती है। तरबूज में रसायन टीआईबीए (25-250 पीपीएम), बोरॉन (3-4 पीपीएम), मोलिब्डेनम (3-4 पीपीएम) एवं कैल्शियम (20-25 पीपीएम)का छिड़काव करने से फल अधिक लगते है। इनका छिड़काव तरबूज में दो सत्य पत्ती अवस्था में किया जाता है। गुदा का रंग लाल होता है। इस किस्म के पौधों में फूल खिलने के 30-35 दिन बाद फल परिपक्व हो जाते हैं।

संपादकीय

शुक्रिया मी लॉर्ड

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान जजों को अतिरिक्त संवेदनशीलता बरतने की जो सलाह दी है, वह इंसाफ के तकाजे से ही नहीं, इंसानियत के लिहाज से भी एक सराहनीय पहल है। भारत की न्याय-व्यवस्था अपनी निष्पक्षता, निर्भीकता और वैज्ञानिक सोच के लिए दुनिया भर में सराही जाती है और मूल्यों के क्षरण के इस दौर में इन्हीं वजहों से अपने नागरिकों की निगाह में भी उसकी गरिमा बरकरार है। पर विगत कुछ समय में अदालती कार्यवाही के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियां सामने आईं और मीडिया में सुर्खियां बनीं, जो न केवल लैंगिक समानता की सांविधानिक अपेक्षा के विपरीत थीं, बल्कि किसी भी सभ्य समाज को कुबूल नहीं हो सकतीं। सुकून की बात है कि देश की आला अदालत ने इसे गंभीरता से लिया है। उसने बार कौंसिल से भी कहा है कि कानून के पाठ्यक्रमों में यौन अपराधों और लैंगिक संवेदनशीलता के पाठ शामिल किए जाएं।

शीर्ष अदालत ने यह हस्तक्षेप मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले के संदर्भ में किया है, जिसमें यौन उत्पीड़न के आरोपी को जमानत की शर्त के रूप में पीड़िता से राखी बंधवाने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही इसे पूरी न्याय प्रणाली के खिलाफ मानते हुए अमान्य करार दिया। भारत में महिलाएं किन-किन रूपों में यौन उत्पीड़न और असमानताएं झेल रही हैं, इससे जज की कुरसी पर बैठने वाले सम्मानित लोग ही नहीं, आम नागरिक भी बखूबी वाकिफ हैं, और इसके लिए 'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' के आंकड़ों में भी झांकने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। लेकिन जब कुछ महिलाएं साहस बटोरकर इंसाफ मांगने पहुंचती हैं, तब अदालतों से उनकी यह स्वाभाविक अपेक्षा होती है कि वहां उनकी गरिमा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। मगर दुर्योग से कतिपय मामलों में उन्हें अपमानित होना पड़ा। अभी बहुत ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच की एक महिला न्यायाधीश ने यौन उत्पीड़न के लिए 'स्कीन टु स्कीन' संपर्क संबंधी टिप्पणी की थी और अभियुक्त को बरी कर दिया था। तब उस मामले में भी सर्वोच्च न्यायालय ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई थी। कोई भी तरक्कीपसंद देश अपनी महिलाओं को बराबरी का सम्मान दिए बिना सभ्य होने का गुमान नहीं पाल सकता। आजाद भारत ने अपने संविधान की प्रस्तावना में मोटे हर्फों में 'व्यक्ति की गरिमा' का महत्व बताया है। उसने देश के हरेक पुरुष और महिला की प्रतिष्ठा की रक्षा की गारंटी दी है। निस्संदेह, बीते सात दशकों में सामाजिक स्तर पर कई लैंगिक बेड़ियां टूटी हैं और हमें यकीन है कि यह सिलसिला अब थमने वाला भी नहीं। इसीलिए जब कोई राजनेता महिलाओं के पहनावे, खाने-पीने या उनकी निजी स्वतंत्रता पर हमला बोलता है, तब खुद अपनी ही पार्टी में उसे भारी विरोध झेलना पड़ता है। लेकिन जब बात इंसाफ के आसन की हो, तो उसे न सिर्फ निर्विवाद, निष्पक्ष होना चाहिए, बल्कि अवाम में दिखना भी चाहिए। न्यायाधीश इसी समाज से आते हैं, पर वे कानून के अध्ययन व अनुभव से मानवीय कमजोरियों पर जीत हासिल करके न्याय के आसन तक पहुंचते हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक भेदभाव से जुड़ी सामाजिक रूढ़ियों से दूरी बरतने को लेकर जो कुछ भी कहा है, वह भारत की न्यायपालिका को सुर्खरू करेगा।

जीपीएस से टोल कलेक्शन

केंद्रीय सड़क, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को संसद में कहा कि अगले साल मौजूदा टोल कलेक्शन सिस्टम को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा, यानी सारे टोल प्लाजा हटा दिए जाएंगे। इसकी जगह पर टोल कलेक्शन के लिए नया सिस्टम बनाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मौजूदा टोल कलेक्शन की व्यवस्था को खत्म करके ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) के जरिए टोल टैक्स वसूला जाएगा। इसके तहत वाहन जितने किलोमीटर तक हाईवे का प्रयोग करेगा उतने किलोमीटर के लिए ही टोल टैक्स की वसूली की जाएगी। हाईवे पर चढ़ने और उतरने की रिकॉर्डिंग जीपीएस के जरिए दर्ज की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नये सिस्टम में टोल टैक्स की वसूली फास्टैग के जरिए होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी देश में करीब 93 फीसद टोल टैक्स कलेक्शन फास्टैग के जरिए हो रहा है। नकदी के जरिए टोल टैक्स देने वाले शेष 7 फीसद वाहनों को फास्टैग से जोड़ने के लिए कार्रवाई की जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, सरकार को टोल टैक्स से सालाना 30 हजार करोड़ रुपये मिल रहे हैं। जिसे वह 2024 के आखिर तक एक लाख करोड़ करना चाहती है। कर संग्रह के नये प्रयोगों का स्वागत है, पर कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। फास्टैग लागू होने के बाद भी समस्याएं निपटी नहीं हैं। अभी भी हाईवे के टोल प्लाजाओं पर भीड़ जमा हो जाती है। जाम लग जाते हैं। मशीनें कई बार फास्टैग से संबंध स्थापित नहीं कर पाती हैं। इस वजह से तकनीक कई बार सहूलियत देने के बजाय अड़चनों का स्रोत बन जाती है। यह बात नहीं भुलाई नहीं जानी चाहिए कि हर नये प्रयोग, हर नयी तकनीक को लागू करने से पहले उसकी तैयारी बहुत जरूरी है। उसके बारे में जन शिक्षण बहुत जरूरी है। अभी बहुत छोटी सी बातों के बारे में ही जनता को बताए जाने की जरूरत है। जैसे फास्टैग का स्टिकर कार के आगे के शीशे पर कहां लगाया जाना चाहिए, यह छोटी सी जानकारी सबके पास होना बहुत जरूरी है। वरना टोल प्लाजा पर मशीन फास्टैग से जुड़े कामों को ढंग से संपादित नहीं कर पाएगी। फिर भारतवर्ष में तकनीक से जुड़े मसलों को हिंदी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं में समझाए जाने की जरूरत है। देखा गया है कि फास्टैग से जुड़ी समस्त जानकारियां अंग्रेजी में ही हैं। समय की मांग है कि नये प्रयोग होंग पर समय की मांग यह भी है कि प्रयोगों से पहले सारी जमीनी तैयारियों को एकदम दुरुस्त कर लिया जाए।

कटाक्ष/कबीरदास

कठिन हैं राह विश्व गुरू की

मोदी जी ने गलत थोड़े ही कहा था, ये आंदोलनजीवी ही उन्हें नये इंडिया को महान नहीं बनाने दे रहे हैं। जेएनयू-वेएनयू की तो बात ही छोड़ दीजिए बनारस जैसे संस्कारी विश्वविद्यालय से लेकर अशोका जैसे ग्लोबल विश्वविद्यालय तक में आज-कल क्या हो रहा है? उधर सरकार नये इंडिया को विश्व गुरु मनवाने के लिए नई शिक्षा नीति बनाने में लगी थी और इधर आंदोलनजीवियों ने छात्रों को भड़काकर, सब किए धरे पर पानी फेर दिया। उधर नीता अंबानी ने बनारस विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर बनने से साफ इनकार कर दिया तो इधर अशोका यूनिवतसटी में प्रतापभानु मेहता के पीछे-पीछे अरविंद सुब्रह्मण्यम ने भी स्वतंत्रता के लिए खतरे का शोर मचा कर इस्तीफा दे दिया।

भला ऐसे इंडिया विश्व गुरु कैसे बनेगा? नहीं ये कोई नहीं कह रहा है कि अगर अशोका जैसी ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मेहता और सुब्रमण्यम जैसे लोगों का दम घुटने लगेगा तो इंडिया विश्व गुरु नहीं बन पाएगा! बेशक अब मोदी जी ने तय कर लिया है तो इंडिया को विश्व गुरु बनाकर ही मानेंगे। ज्यादा-से-ज्यादा इंडिया को विश्व गुरु का अपना नपना ही तो बनाना पड़ेगा। बना लेंगे! मोदी जी जब न्यू इंडिया बनाएंगे तो विश्व गुरु का नया नपना बनाने में ही क्या मुश्किल है। बाहर वालों से कब हमें न्याय मिला हैं जो विश्व गुरु बनने के मामले में ही उनसे न्याय की उम्मीद करें। वैसे भी अब तो मोदी जी ने आत्मनिर्भरता की आदत डलवा दी है। विश्व गुरु के नपने के लिए अब हम दूसरों पर निर्भर क्यों रहेंगे?

लोकल के लिए वोकल होने का टाइम है, तो लोकल विश्व गुरु के लिए वोकल क्यों नहीं? वोकल माने मुंह फोड़कर इसका ऐलान कि विश्व गुरु बनना-बनाना क्या है; इंडिया विश्व गुरु था, है और रहेगा! विश्व गुरु न बनते हैं न बनाए जाते हैं; विश्व गुरु तो पैदा होते हैं! प्राब्लम ये नहीं है कि ये न्यू इंडिया में आजादी-आजादी करने वाले इंटलैक्चुअल टाइप यूनिवर्सिटियों से खदेड़े जा रहे हैं। उनसे तो जगह खाली करानी ही होगी। पर राष्ट्रसेठों की श्रीमतियां भी तो इस जगह को भरने को आगे आएं। फटी जीन्स में झांकने के संस्कारियों के भरोसे हम कब तक विश्व गुरु बनने की उम्मीद करेंगे?

'घर लौटने के लिए होता है'

प्रयाग शुक्ल

लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में, जब सामान्य जीवन थम गया, तब सभी को यही लगा कि जिंदगी कटेगी कैसे? फिर धीरे-धीरे यह भी लगने लगा कि अब इसी के साथ रहना है। यह अच्छा है, जीवन में हर बार योजनाएं नहीं बनानी पड़तीं, कई चीजें अपने आप होती हैं। जीवन अपनी गति से चलता रहता है और किसी न किसी किनारे लगता है। लॉकडाउन के गाढ़े समय में मैंने बहुत से लोगों को बागवानी करते देखा, जो पहले पौधों पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते थे। कलाकार-लेखक मित्रों से बात हुई, तो कुछ ने यहां तक कहा कि हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। चित्रकारों ने कहा कि हम तो अपने स्टूडियो में रहते थे, किसी ने परेशान नहीं किया। पढ़ने-लिखने वाले बहुत से लोगों ने लॉकडाउन काल का अच्छा सदुपयोग कर लिया।

खुद मेरे साथ यह हुआ कि मैंने धीरे-धीरे कलर पेंसिल से कुछ चित्र बनाने शुरू किए, तो इस उम्र में भी कला का एक नया सिलसिला आगे बढ़ा। कला व लेखन क्षेत्र में बहुत सी अच्छी चीजें हुई हैं, परस्पर आदान-प्रदान भी पहले की तुलना में बढ़ा है। किताबों और संवादों के ऑनलाइन विस्तार-प्रसार ने भी हमें बहुत संभाला है। हां, थियेटर, सिनेमा की दुनिया को ज्यादा चोट लगी है। ये ऐसी कलाएं हैं, जो समूह में संभव होती हैं। लेखकों कलाकारों का काम तो इसलिए भी चल गया कि वह स्वयं लिखने-बनाने वाले हैं, लेकिन फिल्म कलाकार, संगीतकार क्या करते? इन्हें हुए नुकसान की भरपाई में बहुत वक्त लगेगा। लॉकडाउन के सन्नाटे में मुझे खुद भय तो नहीं लगा, लेकिन थोड़ी-बहुत चता जरूर हुई, दुकानें वगैरह जब बंद हो गई थीं, कहां से जरूरी सामान आएगा? कौन लाएगा? लेकिन यह ऐसा समय था, जब भले पड़ोसियों से भी खूब मदद मिली। हम जैसे अनेक स्वतंत्र लेखकों को यह भी चिंता हुई कि लॉकडाउन बहुत लंबा चला, तो खर्च कैसे चलेगा? देश में करोड़ों लोगों के मन में यह चिंता रही है। ऐसी चिंताओं ने ही लोगों को भविष्य के बारे में अलग ढंग से सोचने के लिए विवश किया। लॉकडाउन काल की एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि बहुत से लोगों ने घर का महत्व समझा। हमने देखा, हम सबके लिए घर एक नई तरह से प्रगट हो रहा है। उस दृश्य ने खासतौर पर विचलित किया, जब हमने देखा कि लाखों लोग पैदल घर लौट रहे हैं। घर का एक नया ही अर्थ खुला, जिसे हम भूल से गए थे। अज्ञेय जी की पंक्ति याद आई-घर लौटने के लिए होता है। कितनी सुंदर बात उन्होंने कही थी। घर एक ठिकाना है। आप सात समुंदर पार चले जाते हैं, लेकिन अपना ठिकाना नहीं भूलते, आप हर बार वहीं लौटते हैं। हरिवंश राय बच्चन की कविता भी बार-बार याद आई- दिन जल्दी-जल्दी ढलता है / बच्चे प्रत्याशा में होंगे,/ नीड़ों से झांक रहे होंगे / यह ध्यान परों में चिड़ियों के/ भरता कितनी चंचलता है! / दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! रोज कमाने-खाने वालों की पीड़ा तो हम अब शायद ही भूल पाएंगे। बड़ी चिंता हुई कि सरकार कैसे इतने लोगों को संभालेगी? काम-धंधे गंवाने वालों का क्या होगा? लेकिन जीवन के बारे में यह बहुत सुंदर पक्ष है कि आप बहुत देर तक हंस नहीं सकते, तो बहुत देर तक रो भी नहीं सकते। बहुत देर तक आप भय में नहीं रह सकते। बहुत देर तक आप निश्चिंत नहीं रह सकते। यही जीवन संतुलन सदियों से चला आ रहा है। इस दौर के जो अनुभव हैं, सबके लिए वरदान जैसे हैं। जीवन में कोई न कोई गति मिलती है अच्छी हो या खराब। गति को जब आप पहचानते हैं, तो जीवन से सीखते हैं। लॉकडाउन में लोगों ने छोटी-छोटी चीजों पर गौर करना शुरू किया। जैसे मैं कबूतरों के लिए रोज पानी रखता था, कभी-कभी उनकी तस्वीरें भी खींचता था और दूसरों को भेजा करता था। छोटी-छोटी खुशियां थीं, आज एक कली आ गई, आज एक पत्ती निकली। जितनी भी जगह थी, उसमें मैंने बागवानी शुरू की। पौधों पर नए सिरे से ध्यान देना शुरू किया। उसी दौरान एक माली को फोन किया, तो वह बहुत खुश हुआ कि किसी ने तो उसका हाल पूछा। काम तो उसका भी ठप था, लोग उसे बुलाने से बचने लगे थे। अपनों से दूर रहने और कुछ लोगों से हमेशा के लिए बिछड़ जाने का दुख भी बहुत चुभा। कोरोना से ठीक होने के बाद मेरी बहन भी दुनिया से चली गई। ऐसी रुलाने वाली घटनाएं न जाने कितने परिवार में हुई होंगी। वह मेरी सगी बहन थी, हमने इतना समय साथ बिताया था, लेकिन उसके अंतिम संस्कार में मैं कहां शामिल हो पाया। फोन पर सूचना मिल गई कि चार लोग आ गए हैं और संस्कार कर रहे हैं। ऐसी यादें आपके मन में छप जाती हैं, जो आपको अक्सर याद आएंगी और दुखी करेंगी। वह ऐसा दौर था, हम किससे शिकायत करते, सभी परेशानी में थे। ये जो सुख-दुख के पलड़े हैं, ये ऐसे ही उतरते-चढ़ते रहते हैं, यह जरूरी है कि हम खुद को हर स्थिति के लिए तैयार रखें। भयभीत न हों।

गांधी की आत्मकथा का इन दिनों अनुवाद कर रहा हूं। उनसे जुड़ा एक प्रसंग आपसे जरूर साझा करना चाहूंगा। गांधीजी फैसला करते हैं कि वह गोखले से मिलने जाएंगे। वह दक्षिण अफ्रीका से लंदन आते हैं। लंदन आते ही उन्हें पता चलता है कि गोखले तो पेरिस में फंस गए हैं, विश्व युद्ध शुरू हो चुका है, पर गांधीजी लिखते हैं कि उन दिनों लंदन देखने लायक था। लोगों में युद्ध का भय नहीं था, लोग सेना में जाने की तैयारियां कर रहे थे। संकट के जो दिन होते हैं, मनुष्य को बहुत कुछ सिखाते भी हैं। हमें अपनी गति से चलते रहना है। हजारी प्रसाद द्विवेदी की कविता मेरे लिए जीवन का मंत्र है- कोई रोते रहे/ कोई खोते रहे/ अपना रथ पर हम जोते रहे। इसका मतलब यह नहीं कि हम यह न देखें कि लोगों के साथ क्या हो रहा है, परिवार में क्या हो रहा है? पर हां, मुझे अपना रथ नहीं रुकने देना है। लॉकडाउन के दौर की अच्छाइयों को कभी भूलना नहीं चाहिए। बड़ी संख्या में सेवाभावी लोगों ने जरूरतमंदों की मदद की, भूखे लोगों को भोजन देने में, लाचार लोगों को घर पहुंचाने के लिए अनेक लोग बहुत साहस और प्रेम के साथ सामने आए हैं। गांधीजी ने सिखाया था कि भेद मत करो, अपने और दूसरे में। अपने-पराये में हम अक्सर बहुत भेद करते हैं। लॉकडाउन के दौरान यह भेद कुछ दूर हुआ है, उसे अभी और दूर करना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> "लॉकडाउन काल की एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि बहुत से लोगों ने घर का महत्व समझा। घर एक नए अर्थ के साथ प्रगट हुआ।"

विश्व जल दिवस 22 मार्च

जल है तो कल है...

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां की तकरीबन आधी जनसँख्या अपने जीवन यापन के लिए कृषि पर निर्भर है, और कृषि पूर्णतया जल पर, जिस प्रकार भारत जल के संकट से जूझ रहा है वो दिन दूर नहीं जब हम आने वाले भविष्य की कल्पना भी नहीं कर पाएंगे। हम आज अपने मौलिक अधिकारों की बात तो करते है, पर क्या हमे अपने कर्त्तयों का बोध है ? महात्मा गाँधी ने कहा है कि अधिकार एवं कर्तव्य दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं यदि हम अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं तो हमे अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने में पीछे नहीं हटना चाहिए इसी सम्बन्ध में मुझे एक पुरानी किदवंती याद आ रही है एक कौआ प्यासा था घड़े में थोड़ा पानी था इस किदवंती में कौवा ने जिस प्रकार दो घूंट पानी के लिए संघर्ष किया था आज हमे भी उसी परिश्रम की आवश्यक्ता है अपनी अमूल्य धरोहर जल को बचाने के लिए।

एक सर्वे के अनुसार भारत के तीन शहर दिल्ली, अहमदाबाद, बैंगलोर में पानी का स्तर इतना काम हो गया था की 2020 तक ये तीनो राज्य जलविहीन हो जाते यदि इस बार की बारिश अच्छी नहीं हुई होती चूँकि इस बार मानसून अच्छा आया तो फ़िलहाल यह संकट दो वर्षो के लिए कुछ हद तक टल गया है,भारत में बहुत से ऐसे राज्य हैं जहाँ गर्मी के मौषम में जल संकट हो जाता है और वहां के लोगो को जल खरीदना पड़ता है कैसी विडम्बना है जल जो प्रकृति द्वारा हमे निशुल्क प्रदत है आज हमे उसे खरीदना पड़ रहा है इस विषय पे गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

हम ये तो जानते है की जल ही जीवन है पर क्या हम ये मानते है ? क्या हमने कभी स्वयं से ये प्रश्न किया है कि हमारे जीवन में जल क्या महत्व है? एक पुरानी कहावत है की बून्द बून्द से सागर भरता है यदि बून्द बून्द से सागर भरता है तो वो ख़तम भी हो सकता है अगर हम उसको बर्बाद करते हैं।

बहुत सी ऐसी सामाजिक संस्थाए हैं जो जल संरक्षण की ओर अपना प्रयास कर रही हैं और सफल भी हो रही हैं ,वे जनता को जल बचाने के प्रति जागरूक भी कर रही हैं एवं ऐसे आयामों की व्यवस्था भी कर रही हैं जिससे वर्षा के पानी को इक्कठा करके जल संकट से निपटा जाये7 कहते हैं शिशु की प्रारंभिक पाठशाला घर से शुरू होती है हमे सर्वप्रथम स्वयं को एवं अपने परिवार को शिक्षित करना होगा और उन्हें बताना होगा की जल की बर्बादी को कैसे रोका जाये हम अपने घरो में नहाने के लिए झरनो के स्थान पे बाल्टी का प्रयोग, ब्रश करते समय नल को बंद रखने के इत्यादि तरीको से पानी को बर्बाद होने से बचा सकते हैं आजकल शहरी इलाको में शुद्ध पानी के लिए लोग अपने घरो में वाटर पूरिफिएर का प्रयोग करते है। वाटर पूरिफिएर से निकला अशुद्ध पानी एक पाइप के रास्ते नाली में गिरता है यदि हम उस पानी को किसी पात्र में इक्कठा कर लो तो उसका उपयोग हम स्नान करने एवं ब्रश करने में कर सकते हैं इन छोटे छोटे प्रयोगो से हम जल बर्बाद होने से बचा सकते हैं।

एक दूसरा तथ्य यह भी है की जो जल आज हम अपने लिए प्रयोग करते हैं वो प्रदूषण-रहित होना चाहिए। प्रदूषित जल को पीने की वजह से आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो को गंभीर रोगो का सामना करना पड़ता है, आज हम जिस वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं वहां प्रदुषण का स्तर इतना बढ़ गया है की न तो वायु शुद्ध है और ना ही जल, वर्तमान परिस्थिति में इन संकटो से लड़ने के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है ऐसा नहीं है की लोग जागरूक नहीं है बहुत से लोग इन समस्याओ से लड़ रहे हैं और उनका जीवन हमे इस बात की प्रेरणा देता है की हमे भी स्वयं को जागरूक रखते हुए उनका साथ देना चाहिए।

आरक्षण

चेतावनी है गर्मी का जल्द आगमन

प्रमोद भार्गव

वैसे तो आरक्षण का पेच गाहे-बगाहे अदालतों में विवाद का मसला बना ही रहता है, लेकिन इस बार सर्वोच्च न्यायालय आरक्षण की निर्धारित सीमा पचास प्रतिशत पर पुनतवचार करेगा। फिलहाल सरकारी नौकरियों में नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के 1992 में इंदिरा साहनी मामले में दिए गए फैसले के आधार आरक्षण की सीमा निर्धारित है। इसमें आरक्षण की अधिकतम सीमा पचास फीसद तय की गई थी। किंतु इस निर्णय में यह विकल्प दिया गया था कि अपवाद की स्थिति में यह सीमा लांघी जा सकती है। इसे आधार बनाकर कई राज्यों ने जाति विशेष के मतदाताओं को लुभाने के नजरिए से आरक्षण की सीमा 75 फीसद तक बढ़ा दी है।

दरअसल, पुनतवचार की स्थिति महाराष्ट्र सरकार के मराठा आरक्षण के लिए आरक्षण की पचास फीसद सीमा पार करने के आधार को न्यायालय में चुनौती देने से बनी है। दरअसल, राज्य सरकारें यह भलीभांति जानती है कि वोट बैंक की राजनीति के चलते ठीक चुनाव के पहले किसी जाति या पंत को आरक्षण देना या उसकी घोषणा करना संविधान के विपरीत है। अदालत ऐसे आरक्षण को शून्य में बदल सकती है। बावजूद राजनीतिक चालाकियों के चलते यह खेल खेला जाता रहा है। यदि इंदिरा साहनी मामले पर पुनतवचार होना है तो इसके लिए 11 सदस्यीय पीठ अस्तित्व में लानी होगी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को मंजूर करते हुए मराठा समुदाय को नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण देने का फैसला लिया था। आयोग की सिफारिश के मुताबिक मराठों को नई श्रेणी 'सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ा वर्ग' के तहत आरक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। मराठा समाज की यह मांग 1980 से लंबित है। 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा से इस समुदाय को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान पहली बार पारित किया गया था। किंतु मुंबई उच्च न्यायालय ने इस व्यवस्था को गैर संवैधानिक मानते हुए अमल पर रोक लगा दी थी। 2016 में इस आंदोलन के स्वरूप ने आक्रोश का रूप भी लिया। नतीजतन एक युवक ने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। तत्पश्चात आयोग ने 25 विभिन्न बिंदुओं के आधार पर मराठा समुदाय को कमजोर मानते हुए महाराष्ट्र सरकार को 16 प्रतिशत आरक्षण देने की हरी झंडी दे दी थी। इन्हें सामाजिक, शैक्षणिक और आतथक आधार पर पिछड़ा माना गया है। फिलहाल महाराष्ट्र में 52 प्रतिशत आरक्षण है, जो अब बढ़कर 68/ हो जाएगा। लोक सभा चुनाव के ठीक पहले राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने यह खेल खेला था। बावजूद सरकार 16 प्रतिशत आरक्षण कैसे देगी यह विवाद का पहलू था? क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार पचास फीसद से अधिक आरक्षण नहीं दिया जकता है। दरअसल किसी भी समाज की व्यापक उपराष्ट्रीयता धर्म भाषा और कई जातीय समूहों की पहचान से जुड़ी होती है। भारत ही नहीं समूचे भारतीय उपमहाद्वीप में उपराष्ट्रीयताएं अनंतकाल से वर्चस्व में हैं। इसकी मुख्य वजह है कि भारत एक साथ सांस्कृतिक भाषाई और भौगोलिक विविधताओं वाला देश है। जब इस एक प्रकार की जीवन शैली के लोग इलाका विशेष में बहुसंख्यक हो जाते हैं तो यह एक उपराष्ट्रीयता का हिस्सा बन जाती है। मराठे बंगाली, पंजाबी, मारवाड़ी, बोड़ो, नगा और कश्मीरी ऐसी ही उपराष्ट्रीयताओं के समूह हैं। इन्हीं उपराष्ट्रीयताओं के हल हमारे पूर्वजों ने भाषा के आधार पर राज्यों का निर्माण करके किए थे लेकिन महाराष्ट्र में मराठों को आधार बनाकर आरक्षण का जो प्रावधान किया जा रहा है, उससे अब तमाम सुप्त पड़ी उपराष्ट्रीयताएं जाग जाएंगी।

गुजरात में पटेल, हरियाणा में जाट, राजस्थान में गुर्जर और आंध्र प्रदेश में कापू समाज का आरक्षण के लिए आगे आना तय है। हमारा संविधान भले ही जाति, धर्म, भाषा और लिंग के आधार पर वर्गभेद नहीं करता, लेकिन आज इन्हीं सनातन मूल्यों को आरक्षण का आधार बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भूमण्डलीकरण के दौर में खाद्य सामग्री की उपलब्धता से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उन्हें हासिल करना इसलिए और कठिन हो गया है, क्योंकि अब इन्हें केवल पूंजी और अंग्रेजी शिक्षा से ही हासिल किया जा सकता है? ऐसे में आरक्षण के लाभ के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अर्थाभाव में योग्यता और अंग्रेजी ज्ञान हासिल न कर पाने के कारण हाशिये पर उपेक्षित पड़े हैं। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे लोग बटोरे लिए जा रहे हैं, जो पहले ही आरक्षण का लाभ उठाकर आतथक व शैक्षणिक हैसियत हासिल कर चुके हैं। कालांतर में आरक्षण मिलने के बाद मराठा जातियां भी यही एकांगी स्वरूप ग्रहण कर लेंगी।

कैसे हुई
ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की खोज

सदियों पहले भूगोलविदों ने दक्षिण में किसी गुमनाम महाद्वीप के अस्तित्व का अनुमान लगा लिया था किन्तु किसी ने भी उसे खोजने का प्रयास नहीं किया था। 1766 में ब्रिटेन की रॉयल एस्ट्रोनोमिकल सोसायटी ने इसे खोजने का निर्णय किया। इस काम के लिए अनुभवी नाविक जेम्स कुक को चुना गया। एक वर्ष की समुद्री यात्रा के बाद जेम्स कुक 1769 में ताहिती नामक टापू पर पहुंचा।

वहां अपनी खगोल संबंधी गणनाओं के बाद वह इस रहस्यमयी दक्षिणी महाद्वीप की तलाश में आगे बढ़ा लेकिन विषम परिस्थितियों में ढाई हजार किलोमीटर की समुद्री यात्रा तय करने के बाद भी उसे कुछ हासिल नहीं हुआ। इसके बाद वह पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा तथा अपनी जल यात्रा जारी रखी। अब वह न्यूजीलैंड की ओर बढ़ रहा था और उसी दौरान उसे एक द्वीप दिखाई दिया तथा वह वहीं ठहर गया। उसने न्यूजीलैंड को खोज लिया था। इसके बाद 3 महीने की तैयारी के बाद उसने पश्चिम दिशा में यात्रा आरंभ की तथा 18 अप्रैल 1770 को आस्ट्रेलिया की खोज करने में कामयाब हुआ।

ऐसे पड़े
अंग्रेजी महीनों के नाम...

जनवरी - शब्द लैटिन भाषा के 'जैनरियुस' से बना है। 'जैनरियुस' नाम रोमन देवता 'जानुस' या 'जेनस' के नाम पर पड़ा। मान्यता है कि इस देवता के दो मुख हैं, एक से वह आगे तथा दूसरे से पीछे देखता है। जनवरी के भी दो मुंह हैं। एक से वह बीते हुए वर्ष को देखता है और दूसरे से आने वाले वर्ष को।

फरवरी - फरवरी शब्द लैटिन 'फैबीएरियुस' का परिवर्तित रूप है। यह शब्द 'फैब्रू' और 'एरि' धातु से बना है, जिसका अर्थ है शुद्ध करना। प्राचीन रोमन सभ्यता में यह महीना आत्मशुद्धि और प्रायश्चित करने के रूप में प्रसिद्ध था। किंवदंती है कि फरवरी का नामकरण रोमन देवता 'फैबीएरियुस' के नाम पर किया गया है।

मार्च - मार्च महीने का नाम रोमन देवता 'मार्टियुस' (मार्स) के नाम पर रखा गया था। यह युद्ध और समृद्धि के देवता थे। इस महीने की तेईस तारीख को सूर्य आकाश के बीचों-बीच चमकता है। इस दिन रात-दिन बराबर होते हैं।

अप्रैल - अप्रैल 'एप्रिलिस' शब्द से बना है। एप्रिलिस लैटिन शब्द 'एप्रिल्ज' से निकला है। इसका शाब्दिक अर्थ है उद्घाटन करना, खोलना, फूटना। इस माह में यूरोप में बसन्त का आगमन होता है। इसलिए प्रारम्भ में वसंत के आगमन के प्रतीक के रूप में भी इस मास का नाम 'एप्रिलिस' रखा गया था। कालांतर में यह 'एप्रिल' बन गया। कहा जाता है कि 'एप्रिल' रोमन देवी 'एफ्रिरिते' के नाम पर आधारित है। यह देवी उर्वरता की प्रतीक हैं।

मई - मई 'मेइयुस' से बना है, जो कालांतर में 'मे' बन गया। मान्यता है कि यह नाम वसंत की देवी 'मेयस' के नाम पर आधारित है।

जून - जून 'जुनियुस' शब्द से बना है। कहा जाता है कि यह महीना रोम की प्रमुख देवी 'जूनो' के नाम पर आधारित है। 'जूनो' रोमन देवराज जीयस की पत्नी हैं। जूनो शब्द 'जुबेनियस' से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ विवाह योग्य कन्या होता है।

जुलाई - जुलाई माह का नामकरण रोमन सम्राट जूलियस सीजर के नाम पर हुआ। इस महीने में जूलियस सीजर का जन्म हुआ था। इससे पहले इस महीने का नाम 'क्विंटिलिस' था।

अगस्त - जूलियस सीजर के भतीजे आगस्टस सीजर ने अपने नाम पर इस महीने का नामकरण किया। पहले इस महीने का नाम 'सैबिस्टलिस' था।

सितंबर - 'सप्टेम' शब्द पर आधारित सितंबर का अर्थ सात है। प्राचीन रोमन कैलेंडर में 'सैप्टेम्बर' को सातवां स्थान प्राप्त था, जबकि वर्तमान कैलेंडर में इसे नवां स्थान प्राप्त है।

अक्टूबर - इसको प्राचीन कैलेंडर में 'ऑक्टोबर' नाम से आठवां स्थान प्राप्त था। लेकिन अब इसे दसवां स्थान प्राप्त है।

नवंबर - लैटिन शब्द 'नोवज' के नाम पर आधारित 'नोवेम्बर' (नवंबर) का अर्थ नौ है। प्राचीन रोमन कैलेंडर में यह नवां महीना था।

दिसंबर - लैटिन शब्द 'डेसेम' से बना 'डेसेम्बर' (दिसंबर) का अर्थ दस है। प्राचीन रोमन कैलेंडर में यह दसवां महीना था, जबकि अब बारहवां महीना है।

खेल-खेल में सीखो नई बातें

गर्मियों की छुट्टियों में बनो खतरों के खिलाड़ी

दोस्तों, बंजी जपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स को देखकर तुम्हारा मन भी करता होगा इन्हें करने का। तो इन छुट्टियों में तुम इन्हें ट्राई कर सकते हो, पर हां, सावधानी बरतकर..कहां पर जाकर कर सकते हो -

खतरों के खिलाड़ी बनने का सपना देखा है क्या कभी? बंजी जंपिंग, पैरा ग्लाइडिंग, वॉटर स्पोर्ट्स जैसे एडवेंचर्स खेल देखकर तुम्हारे मन में आया ही होगा कि तुम कब कर पाओगे इन्हें। लेकिन आत्मविश्वास, समय और सही गाइडेंस की कमी के कारण तुम कर कुछ भी नहीं पाए हो अभी तक, तो यही समय है इन्हें ट्राई करने का।

ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गर्मियों की लंबी छुट्टियां जो आ गई हैं। तो तुम भी अपने दोस्तों के साथ इन छुट्टियों में इस तरह के थ्रिल भरे एडवेंचर्स कैंप्स में शामिल हो जाओ और छुट्टियों को यादगार बनाओ। ये कैंप्स मई-जून के महीने में बच्चों की उम्र के हिसाब से 8-10 दिन तक लगातार चलते हैं। घर से दूर 6-10 दिन के इन आउटडोर कैंप्स से न केवल बहुत कुछ जानने-सीखने का मौका मिलता है, बल्कि इनसे तुम्हारा आत्मविश्वास, पर्सनेलिटी, लीडरशिप, टीम वर्कशिप और सोशल नेटवर्क भी बढ़ता है। हमारे देश में ये कैंप्स कई स्थानों पर होते हैं, जिन्हें अनुभवी प्रशिक्षक की पूरी टीम की देखरेख में चलाया जाता है। पर इन सबके बीच इन खेलों में सावधानी बरतना बेहद आवश्यक है। इसलिए मम्मी-पापा की रजामंदी से ही तुम यहां जा सकते हो।

गर्मियों की छुट्टियों में दिन भर घर में रहकर तुम ऐसी वेबसाइट्स सर्च कर सकते हो, जो तुम्हें खेल-खेल में कुछ नया सिखाएंगी। जैसे नए शब्द या कैलकुलेशन के आसान तरीके। ऐसी ही एक वेबसाइट के बारे में तुम्हें बता रहे हैं

गर्मियों की छुट्टियों में अगर तुमसे कोई पढ़ने को कहता है तो तुम्हें कितना गुस्सा आता है ना। तुम यही सोचते हो ना कि छुट्टियां तो होती हैं खेलने, मस्ती करने और जमकर धमाल मचाने के लिए। ऐसे में आज हम तुम्हें एक ऐसी वेबसाइट के बारे में बता रहे हैं, जहां पर इतने सारे गेम्स हैं कि तुम खेलते-खेलते थक जाओगे, लेकिन मजेदार गेम्स खत्म होने का नाम ही नहीं लेंगे। तो अबकी बार छुट्टियों में तुम गर्मी से अपना बचाव करते हुए आउटडोर गेम्स की जगह इनडोर गेम्स को प्राथमिकता दो। अपने कंप्यूटर या पापा के लैपटॉप पर वेबसाइट ऑन करो और गेम्स खेलते हुए ज्ञान बढ़ाओ।

लर्निंग गेम्स फॉर किड्स नाम से तो तुम समझ ही गए हो कि यह वेबसाइट सिर्फ तुम जैसे बच्चों के लिए ही है और वह भी सिर्फ गेम्स के लिए ही। यह एक ऐसी वेबसाइट है, जहां पर सिर्फ गेम्स ही हैं। नो स्टडी, नो होमवर्क, नो टेंशन ओन्ली गेम्स विद फन। मतलब कि पढ़ाई की टेंशन दूर करने के लिए यहां पर काफी खेल हैं, लेकिन इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां के गेम्स तुम्हें काफी कुछ सिखाते हैं। तुम्हें अपने सब्जेक्ट में स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए सब्जेक्ट वाइज गेम्स तैयार किए गए हैं और तुम्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रखने के लिए भी गेम्स हैं।

सब्जेक्ट टू हेल्थ गेम्स

इस वेबसाइट पर सब्जेक्ट वाइज गेम्स बनाए गए हैं। इन गेम्स को खेलते हुए तुम्हें मजा भी आएगा और विषय के बारे में तुम्हारी समझ बढ़ने के साथ-साथ विषय पर पकड़ भी बनेगी। गेम कैटेगरी में जाने पर तुम्हें कई सारे सेक्शन दिखेंगे। मैथ गेम्स के सेक्शन में किंडरगार्टन मैथ से लेकर फिफ्थ ग्रेड मैथ और एडिशन, सब्सट्रैक्शन, मल्टीप्लिकेशन, डिवीजन, रैंडो मैथ जैसे गेम्स दिए गए हैं। ज्योग्राफी गेम्स के सेक्शन में अफ्रीका गेम्स, अंटार्कटिका गेम्स, एशिया गेम्स, ऑस्ट्रेलिया गेम्स, यूरोप गेम्स, नॉर्थ अमेरिका गेम्स, साउथ अमेरिका गेम्स, रैंडोग्राफी गेम्स आदि हैं। सोशल स्टडीज गेम्स में बैंजामिन फ्रैंकलिन, इन्वेंटर्स, यूएस प्रेसिडेंट, वुमन इन हिस्ट्री जैसे गेम्स हैं। साइंस गेम्स के सेक्शन में साइंस एक्सपेरिमेंट्स, साइंस सॉन्ग्स, स्पेस गेम्स, वेदर गेम्स, मोशन गेम्स, चेंज इन मैटर गेम्स, सिम्पल मशीन गेम्स, हीट एनर्जी गेम्स जैसे सेक्शन हैं। ब्रेन गेम्स में हैंड आई गेम्स, लॉजिक गेम्स, मेमोरी गेम्स, टू प्लेयर गेम्स आदि हैं। इन सबके अलावा वोकेबुलरी गेम्स, एनिमल गेम्स, आर्ट एंड म्यूजिक गेम्स, प्री स्कूल गेम्स, स्पेलिंग गेम्स, ग्राफिक ऑर्गनाइजर्स, अल्फाबेट गेम्स, वर्ड गेम्स, लिटरेचर गेम्स, की-बोर्डिंग गेम्स, यूएस स्टेट गेम्स जैसे कई सेक्शन हैं, जिनके अंदर ढेर सारे गेम्स हैं। इनमें से किसी पर भी क्लिक कर तुम गेम्स खेलने के साथ-साथ मेमोरी पॉवर को भी बढ़ा सकते हो और सब्जेक्ट के बारे में भी काफी कुछ सीख सकते हो।

इंडोर गेम्स खेलकर रहोगे फिट

तुम्हें स्वस्थ रखने के लिए हेल्थ गेम्स का सेक्शन भी बनाया गया है, ताकि इंडोर गेम्स खेलते हुए तुम मानसिक और शारीरिक तौर पर फिट रहो। हेल्थ गेम्स सेक्शन में एलर्जी, एनाटॉमी, डेंटल, स्टेइंग फिट जैसे कई गेम्स हैं, जिन्हें खेलकर तुम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकते हो।

जानिए एनिमल का सिक्स्थ सेंस!

दोस्तो, गैजेट्स और गिज्मो आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। तुम्हें यह जानकर हैरानी हो सकती है कि हमारी तरह पशु-पक्षी भी नेचुरल टूल्स को गैजेट की तरह इस्तेमाल करते हैं। आओ जानें, वे अपने सिक्स्थ सेंस की वजह से ऐसा कैसे कर पाते हैं...

इंसान सभी प्राणियों में सबसे इंटेलिजेंट माने जाते हैं, इसीलिए हम लगातार तरक्की की राह पर आगे बढ़ते रहे हैं। हमारी बुद्धि का नायाब नमूना टेक्नोलॉजी है। इससे हमने तमाम गैजेट्स और टूल्स ईजाद किए, जिनकी मदद से हमारी जिंदगी कहीं ज्यादा सुविधाजनक हो सकी है। पशु-पक्षी भी ऐसे टूल्स का इस्तेमाल करते होंगे, इसकी शायद तुमने कल्पना भी नहीं की होगी। तुम सोचते होगे कि क्या पशु-पक्षी भी इतने होशियार होते हैं, जो अपने लिए गैजेट बना सकें और उनका उपयोग कर सकें। इस उत्सुकता को शांत करने के लिए तुम्हें इस बार कुछ ऐसे पशु-पक्षियों की दुनिया में ले चलते हैं, जो इतने इंटेलिजेंट हैं कि अपनी बुद्धि से करते हैं तरह-तरह के नेचुरल गैजेट्स यानी प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल..

वुडपेकर की वुडन गैजेट

कठफोड़वा यानी वुडपेकर की चोंच लंबी होने के साथ-साथ काफी कठोर होती है। पर उसकी जीभ, चोंच से ज्यादा लंबी होती है। यह खाने को आसानी से ग्रहण करने में उसे काफी मदद करती है। कठफोड़वा अपने खाने को पेड़ के कोटरों में रखता है और इसे रखने और निकालने में मदद करती है, कैक्टस के कांटे से बनाई गई एक खास तरह की टूल। रिसर्चर भी वुडपिकर की इस इंटेलिजेंट खोज से हतप्रभ हैं और कोई समझ नहीं पाता कि आखिर इतने लचीले हथियार की मदद से वुडपेकर कैसे स्टोर करता है अपना भोजन!

सफेद गिद्ध का एग ब्रेकिंग फॉर्मूला

इजिप्शियन वल्चर यानी सफेद गिद्ध, गिद्धों की प्रजातियों में सबसे छोटे कद का है। इसकी चोंच और जबड़े भी अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं। यह अंडे को भी नहीं तोड़ सकते। पर इजिप्शियन वल्चर के पास है इसका अनोखा फार्मूला। वह अंडे को तोड़ने के लिए एक छोटे पत्थर का प्रयोग करता है, जो मिनटों में अंडे को तोड़ देता है और इस तरह उसका ब्रेकफास्ट हो जाता है तैयार।

ग्रीन हेरोन का ब्रेड टूल

हरा बगुला यानी ग्रीन हेरोन उत्तरी अमेरिका के दलदली इलाकों में पाया जाता है। पानी में चलने वाले अन्य पक्षियों की अपेक्षा इसके पैर बहुत छोटे होते हैं। इसकी वजह से उसे अपना भोजन तलाशने में परेशानी होती है। पर हेरोन एक इंटेलिजेंट पक्षी है, इसलिए शिकार को आकर्षित करने के लिए वह कोई खाने की चीज पानी में फेंकता है। जैसे ही शिकार उसे खाने ऊपर आता है, हेरोन का शिकार बन जाता है। रिसर्चर्स का मानना है कि हेरोन ने यह तरीका धीरे-धीरे सीखा है, उसका यह हुनर जन्मजात नहीं है।

औरंगउटन कीफिशिंग रॉड

इंसानों की तरह समझदार और काफी बुद्धिमान होते हैं औरंगउटन। ये तरह-तरह के टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। हर रात को ये डंडियों और पत्तों से अपने लिए एक शैया यानी बेड भी तैयार करते हैं। कंटीले फलों का सेवन करने के लिए वे पत्तों से बने दस्ताने पहनते हैं। अपना शिकार पकड़ने में भी इनका सिक्स्थ सेंस नजर आता है। इंसानों की तरह वे मछलियां पकड़ने के लिए बांस का कांटा यानी फिशिंग रॉड बनाते हैं।

कैट का ई-फार्मेसी कंपनियों पर औषधि व सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के उल्लंघन का आरोप

नयी दिल्ली, व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-फार्मेसी कंपनियों पर औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। संगठन ने इस संबंध में सरकार को एक पत्र लिखकर कहा है कि इससे लाखों खुदरा दवा दुकानदारों को नुकसान हो रहा है। कैट ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस मुद्दे पर पत्र पर लिखा। कैट ने गोयल को लिखे पत्र में कहा, ''यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री अवैध है। औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 के तहत कानूनी व्यवस्था, पर्चे वाली दवाओं की होम डिलिवरी की अनुमति नहीं देती है।'' संगठन ने दावा किया कि ई-फार्मेसी कंपनियों की बाजार बिगाड़ने वाली कीमतों से खुदरा दवा दुकानदारों को नुकसान हो रहा है। कैट ने कहा कि मेडलाइफ और 1एमजी जैसी ई-फार्मेसी कंपनियां करीब 40-45 प्रतिशत की छूट देकर बाजार को खराब करने वाली नीतियां अपना रही हैं।

ब्रिटेन में उबर की चेहरे की पहचान वाली तकनीक का इस्तेमाल बंद हो- ड्राइवर्स यूनियन

लंदन। ब्रिटेन में एक वाहन चालक संघ ने माइक्रोसॉफ्ट से आह्वान किया है कि वह राइड-हीलिंग प्लेटफॉर्म उबर द्वारा उसकी चेहरे की पहचान वाली तकनीक के इस्तेमाल को निलंबित कर दे, क्योंकि कई ड्राइवरों को गलत तरीके से पेश किया गया है और उनके लाइसेंस को ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन (टीएफएल) की ओर से रद्द कर दिया गया है। टेकक्रंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐप ड्राइवर्स एंड कूरियर्स यूनियन (एडीसीयू) ने असफल चेहरे की पहचान और अन्य पहचान जांच संबंधी सात मामलों की पहचान की है, जिससे ड्राइवरों को अपनी नौकरी खोनी पड़ी है और टीएफएल की ओर से उनका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई कर दी गई है। एडीसीयू ने कहा कि उबर ब्रिटेन में संचालित रहने के लिए अपने लाइसेंस को फिर से हासिल करने को लेकर कार्यान्वित उपायों के एक पैकेज के हिस्से के रूप में एक कार्यबल इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और पहचान प्रणाली को लागू कर रही है। वहीं उबर ने कहा है कि इसका रियल-टाइम आईडी चेक हर किसी की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए बनाया गया है, जो सही ड्राइवर या कूरियर सुनिश्चित करते करने का काम करता है। कंपनी का कहना है कि निर्धारित अकाउंट का सही उपयोग हो और इसे सही व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए रियल टाइम आईडी का उपयोग किया जा रहा है। उबर ने अप्रैल 2020 में ब्रिटेन में रियल टाइम आईडी चेक सिस्टम लॉन्च किया था। कंपनी का कहना है कि यह सत्यापित करता है कि चालक अकाउंट का उपयोग उन लाइसेंस प्राप्त व्यक्तियों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सके। उबर ने कहा कि ड्राइवर यह चुन सकते हैं कि उनकी सेल्फी फोटो-कंपेरिजन सॉफ्टवेयर द्वारा सत्यापित है या उनके मानव समीक्षकों द्वारा सत्यापित है।

देश के 1 करोड़ से ज्यादा किसानों से सरकार ने खरीदा 683 लाख टन धान : खाद्य मंत्रालय

नई दिल्ली.

चालू खरीफ विपणन सीजन 2020-21 में देश के एक करोड़ से ज्यादा किसानों से सरकारी एजेंसियां अब तक 683 लाख टन से ज्यादा धान की खरीद कर चुकी हैं और कई राज्यों में खरीद अभी जारी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि खरीफ 2020-21 के लिए धान की खरीद सुचारु रूप से चल रही है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, तमिलनाडु, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, केरल, गुजरात, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, असम, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा से धान की खरीद की जा रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 18 मार्च 2021 तक इन राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के किसानों से 683.21 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है, जबकि इसी समान अवधि में पिछले वर्ष केवल 601.46 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हो पाई थी। इस वर्ष में अब तक की गई धान की खरीद में पिछले वर्ष के मुकाबले 13.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज देखी गई है। मंत्रालय ने बताया कि 683.21 लाख मीट्रिक टन धान की कुल खरीद में से अकेले पंजाब की हिस्सेदारी 202.82 लाख मीट्रिक टन है, जो कि कुल खरीद का 29.68

प्रतिशत है और देश के लगभग 100.49 लाख किसान वर्तमान खरीफ विपणन सत्र में पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं। खरीदे गए धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी के तौर पर किसानों को 1,28,990.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

गोएयर ने श्रीनगर से दिल्ली की रात्रि उड़ान सेवा शुरू की

मुंबई, किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन गोएयर ने श्रीनगर से दिल्ली के लिए दैनिक रात्रि उड़ान सेवा शुरू की है। ऐसा करने वाली गोएयर पहली एयरलाइन है। एयरलाइन ने शनिवार को बयान में कहा कि यह उड़ान सेवा शुक्रवार को शुरू हुई। बयान में कहा गया है कि गोएयर श्रीनगर से अनुसूचित उड़ान का परिचालन करेगी। यह उड़ान प्रतिदिन रात 8:30 बजे रवाना होगी। गोएयर श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए सुबह की उड़ानें शुरू करने वाली भी पहली एयरलाइन है। बयान में कहा गया है कि श्रीनगर से पहली रात्रि उड़ान एक नए दौर की शुरुआत है। गोएयर भारत में कई हवाईअड्डों से श्रीनगर, जम्मू और लेह के लिए संपर्क उपलब्ध करा रही है। गोएयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने कहा, ''एयरलाइन श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए दैनिक उड़ानों का विस्तार कर संघ शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के नेटवर्क को मजबूत करेगी।''

आईडीबीआई बैंक ने वसूली व्यय कोष में 25 लाख रुपये जमा किये

नयी दिल्ली,

आईडीबीआई बैंक ने शनिवार को कहा कि उसने अपने नामित एक्सचेंज एनएसई के पास वसूली व्यय कोष (आरईएफ) में 25 लाख रुपये जमा किये हैं। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऋण प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कर रही सभी कंपनियों को आरईएफ बनाने को कहा है, ताकि जारीकर्ता की ओर से चूक करने की स्थिति में डिबेंचर न्यासी कदम उठा सकें। आईडीबीआई बैंक ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, ''आईडीबीआई बैंक ने अपने निर्धारित स्टॉक एक्सचेंज 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई)' के पास आरईएफ में 25 लाख रुपये नकद जमा किये हैं।''आईडीबीआई के ऊपर 20 मार्च, 2021 तक निजी रूप से रखी गई ऋण प्रतिभूतियों या बांड का 14,695.60 करोड़ रुपये बकाया है। आईडीबीआई बैंक ने इन बांडों को 22 अलग-अलग किस्तों में जारी किया है। एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी और एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज इन बांड के दो डिबेंचर न्यासी हैं।

एक बार फिर दुनिया के टॉप 10 अमीरों की सूची में शामिल हुए मुकेश अंबानी

बिजनेस डेस्क:

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर से दुनिया के टॉप 10 अमीरों की सूची में शामिल हो गए हैं। रिलायंस के शेयरों में शुक्रवार को आई उछाल से अंबानी को नेटवर्थ में 3.03 अरब डॉलर (करीब 2,19,49,94,11,500 रुपए) का इजाफा हुआ। **Bloomberg Billionaires Inde&** के मुताबिक वह 81 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की सूची में 10वें स्थान पर आ गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 4.32 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। शुक्रवार को रिलायंस का शेयर बीएसई पर 3.60 फीसदी की छलांग के साथ 2081.90 पर बंद हुआ। इसके साथ ही रिलायंस का मार्केट कैप 1,341,805.09 करोड़ रुपए पहुंच गया। रिलायंस का शेयर 16 सितंबर 2020 को 2369 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। तब रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया था। इसके साथ ही अंबानी की नेटवर्थ 90 अरब डॉलर पहुंच गई थी और वह दुनिया के अमीरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए थे लेकिन इसके बाद रिलायंस के शेयरों में गिरावट आई और मुकेश अंबानी अमीरों की सूची में नीचे खिसक गए।

कौन है टॉप पर

इस लिस्ट में जगह पाने वाले भारतीयों में अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 25वें स्थान पर हैं। उनकी नेटवर्थ 50.1 अरब डॉलर है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इस सूची में ऐमजॉन के जेफ बेजोस 181 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले स्थान पर हैं। **Bloomberg Billionaires Inde&** के मुताबिक दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क 170 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स (138 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी बिजनसमैन और दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी **LVMH Moët Hennessy** के चेयरमैन ऑफ चीफ एग्जीक्यूटिव बर्नार्ड आरनॉल्ट (125 अरब

डॉलर) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। अमेरिकन मीडिया के दिग्गज और फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 110 अरब डॉलर की वेल्थ के साथ पांचवें स्थान पर हैं। जाने माने निवेशक वारेन बफे **(Warren Buffett)** 95.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ से साथ छठे, अमेरिकी कम्प्यूटर साइंटिस्ट और इंटरनेट उद्यमी लैरी पेज **(Larry Page)** 93.8 अरब डॉलर के साथ सातवें, गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन 90.7 अरब डॉलर के साथ आठवें और अमेरिकी बिजनसमैन और निवेशक स्टीव बाल्मर 83.3 अरब डॉलर नौवें स्थान पर हैं।

अशोक विश्वविद्यालय के संस्थापकों ने अपनी आत्मा से 'समझौता' किया: राजन

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी अशोक विश्वविद्यालय की आत्मा है लेकिन क्या अपनी आत्मा को बेचने से 'दबाव समाप्त हो जाएगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री राजन अशोक विश्वविद्यालय से भानु प्रताप मेहता तथा अरविंद सुब्रमणयम के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। इससे पहले इसी सप्ताह सोनीपत का यह प्रमुख विश्वविद्यालय राजनीतिक टिप्पणीकार मेहता और अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम के इस्तीफे के बाद विवादों के घेरे में आ गया था। यह विश्वविद्यालय उदार कला और विज्ञान विषयों में पाठ्यक्रम उपलब्ध करता है। राजन ने कहा कि भारत में इस सप्ताह अभिव्यक्ति की आजादी को गंभीर झटका लगा है। देश के बेहतरीन राजनीतिक टिप्पणीकार प्रोफेसर मेहता ने अशोक विश्विविद्यालय से इस्तीफा दे दिया है। राजन ने कहा, ''सचाई यह है कि प्रोफेसर मेहता किसी संस्थान के लिए 'कांटा' थे। वह कोई साधारण कांटा नहीं हैं, बल्कि वह सरकार में उच्च पदों पर बैठे लोगों के लिए अपनी जबर्दस्त दलीलों से कांटा बने हुए थे। अशोक विश्वविद्यालय में हालिया घटनाक्रमों पर शिकॉगो विश्वविद्यालय, बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर राजन ने कहा, 'अभिव्यक्ति की आजादी इस महान विश्विविद्यालय की आत्मा है।

इसपर समझौता कर विश्वविद्यालय के संस्थापकों ने आत्मा को चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा, यदि आप अपनी आत्मा को बेचने की मंशा रखते हैं, तो क्या इससे दबाव समाप्त हो जाएगा। यह निश्चित रूप से भारत के लिए एक बुरा घटनाक्रम है। मेहता के इस्तीफे के बाद प्रोफेसर सुब्रमणयम ने भी विश्विविद्यालय से इस्तीफा दे दिया था।

खनन सुधारों से GDP में क्षेत्र का योगदान बढ़ेगा, रोजगार सृजन होगा: फिक्की

बिजनेस डेस्क: खनन क्षेत्र के सुधार रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका अदा कर सकते हैं। उद्योग मंडल फिक्की ने यह राय जताई है। फिक्की ने शनिवार को एक बयान में कहा कि खनन क्षेत्र के सुधार आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। एक दिन पहले ही लोकसभा ने खान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) अधिनियम में संशोधन का विधेयक पारित किया है। फिक्की ने कहा कि वह हमेशा राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में खनन उद्योग का योगदान बढ़ाने की वकालत करता रहा है। खनिजों की खोज, उत्पादन और घरेलू आपूर्ति, खनन कंपनियों के लिए वित्तीय दबाव को कम करने, क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर और कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर कर जीडीपी में क्षेत्र के योगदान को बढ़ाया जा सकता है। फिक्की की खनन समिति के प्रमुख और एस्सल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक तुहिन मुखर्जी ने इन संशोधनों को देश की आर्थिक वृद्धि में खनन क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ''देश के खनन एवं खनिज क्षेत्र में इन सुधारों के साथ सरकार जीडीपी में क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। साथ ही इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर होगी और क्षेत्र के लिए अनुकूल निवेश माहौल बनाया जा सकेगा।

20फीसदी तक बढ़ सकते हैं जरूरी दवाइयों के दाम, जानिए क्या है वजह

बिजनेस डेस्क:

मंहगाई की मार झेल रही जनता को अब एक और झटका लगने वाला है। तेल-सब्जी, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के बाद अब जरूरी दवाइयों के लिए भी जेब ढ़ीली करनी पड़ सकती है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी **(NPPA)** ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने दवा निर्माताओं को एनुअल होलसेल प्राइस इंडेक्स **(Wholesale Price Inde&)** में 0.5 फीसदी बढ़ोतरी की अनुमति दी है। दर्द निवारक दवाइयां, एंटीइंफ्लाटिव, कार्डियक और एंटीबायोटिक्स सहित आवश्यक दवाओं की कीमतें अप्रैल से बढ़ सकती हैं।

20% बढ़ सकती है कीमत

NPPA ने दवा कंपनियों को हर साल सालाना **WPI** के आधार पर शेड्यूल्ड ड्रग्स की कीमतें बढ़ाने की अनुमति दी है लेकिन सूत्रों ने बताया कि कंपनियां दवा की कीमतों में 20 फीसदी बढ़ोतरी की योजना बना रही हैं। उनका कहना है कि उनकी मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में 15 से 20 फीसदी इजाफा हुआ है।

इंडस्ट्री ने क्या कहा

फार्मा इंडस्ट्री के एक एग्जीक्यूटिव ने कहा, हमें लगता है कि जो कीमत बढ़ाने की अनुमति दी गई है वह बहुत कम है। महामारी के दौरान कच्चे माल की कीमत, समुद्री मालभाड़े और पैकेजिंग मटीरियल्स की कीमतों में काफी इजाफा हुआ है। हम जल्दी ही सरकार से कीमतें बढ़ाने की अनुमति मांगने की योजना बना रहे हैं। कार्डियो-वस्कुलर, डायबिटीज, एंटीबायटिक्स, एंटी-इंफेक्टिव्स और विटामिंस बनाने में इस्तेमाल होने वाला अधिकांश कच्चा माल चीन से आयात होता है। कुछ एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स **(API)** के लिए चीन पर 80 से 90 फीसदी निर्भरता है। पिछले साल चीन में महामारी का प्रकोप बढ़ने से वहां से आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे भारतीय दवा कंपनियों की लागत बढ़ गई। 2020 के मध्य में आपूर्ति बहाल होने पर चीन ने अहम कच्चे माल की कीमत 10 से 20 फीसदी बढ़ा दी।

वोडाफोन आइडिया ने कहा, ट्राई को सौंपे गए जनवरी के उपभोक्ताओं के आंकड़ों में गलती हुई

नयी दिल्ली,

दूरसंचार सेवाप्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने स्वीकार किया है कि जनवरी, 2021 के लिये भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) को दिये गये उपभोक्ताओं के आंकड़ों में उससे अनजाने में त्रुटि हुई है। कंपनी ने कहा कि उसने अब इसे सुधारा है और नियामक को संशोधित जानकारी सौंपी है। कंपनी का यह बयान तब आया है, जब ट्राई के जनवरी, 2021 के उपभोक्ताओं के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य माह में कंपनी ने 17 लाख कनेक्शन जोड़े हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश (पश्चिम) सर्किल में उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ी है। कंपनी की वेबसाइट पर डाले गये एक स्पष्टीकरण में वीआईएल ने कहा, ''ट्राई को नियमित तौर पर सौंपे जाने वाले आंकड़ों में जनवरी में हमने अनजाने में त्रुटि की। हमने उसे सही किया है और ट्राई को संशोधित आंकड़ा सौंप दिया है।''

हालांकि, कंपनी ने त्रुटि का विवरण नहीं दिया है, लेकिन बाजार पर नजर रखने वालों ने कहा कि गलती उत्तर प्रदेश (पश्चिम) के ग्राहकों की संख्या में हुई है।

एलन मस्क की चेतावनी, जासूसी के लिए होता है Tesla का इस्तेमाल तो बंद कर दूंगा कंपनी

बिजनेस डेस्क:

अमेरिका की प्रमुख इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के ष्टश्वह एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि, यदि टेस्ला की कार का इस्तेमाल जासूसी के लिए हुआ तो वह अपनी कंपनी बंद कर देंगे। उनकी यह प्रतिक्रिया, चीन की सेना द्वारा टेस्ला की गाड़ियों को पूरी तरह से बैन कर दिए जाने के बाद आई है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मस्क ने यह बात कही। मस्क ने कहा कि सिर्फ चीन ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी देश में अगर ऐसा होता है तो टेस्ला कंपनी बंद हो सकती है।

चीनी सेना ने क्यों बैन की टेस्ला

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीनी सेना ने टेस्ला की कारों में लगे कैमरों से उनके परिसर की सुरक्षा को खतरा बताते हुए इनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। टेस्ला पर प्रतिबंध से जुड़ी यह रिपोर्ट्स ऐसे समय में सामने आई हैं जब चीन और अमेरिका के अधिकारी अलास्का में बातचीत कर रहे हैं, जो बाइडन के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही है।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार

एलन मस्क ने क्वांटम फिजिक्स से जुड़े चीनी विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ हुई वार्ता में इस बात पर जोर दिया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन को आपस में विश्वास बहाल करने की जरुरत है। बता दें कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार है और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लेकर यहां बड़ी प्रतिस्पर्धा है। पिछले साल टेस्ला ने चीन में 1,47,445 कारों की बिक्री की थी, जो कि विश्व भर में उसकी कारों की बिक्री का 30 प्रतिशत है। हालांकि, टेस्ला को चीन में घरेलू कार निर्माता कंपनी नियो इंक से तगड़ा कंपटीशन मिल रहा है।

स्नैपड्रैगन 870 संचालित एंड्रॉएड टैबलेट पर काम कर रहा लेनोवो

बीजिंग।

लेनोवो ने सिंगल फ्लैगशिप एंड्रॉएड टैबलेट लेनोवो टैब पी 11 प्रो लॉन्च किया है और अब कंपनी कथित तौर पर इस तरह के एक अन्य हाई-एंड एंड्रॉएड टैबलेट पर काम कर रही है। गिज्मोचाइन की रिपोर्ट के अनुसार, लेनोवो नोटबुक उत्पाद प्रबंधक लिन लिन ने आगामी लेनोवो टैबलेट के सेटिंग पेज स्क्रीनशॉट को पोस्ट किया।

इस तस्वीर में उत्पाद की कुछ प्रमुख चीजों का खुलासा हुआ है। पोस्ट की गई तस्वीर के अनुसार, टैबलेट क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 एसओसी द्वारा संचालित होगा। इस चिपसेट को 8 जीबी रैम और 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ जोड़ा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, टैबलेट एंड्रॉएड 11 पर आधारित जेडयूआई 12.5 पर चलेगा। इसमें लेनोवो वन के लिए सपोर्ट भी होगा, जो हुआवे मल्टी-स्क्रीन सहयोग और श्याओमी डिवाइस कंट्रोल के समान है। हाल ही में जारी की गई एक नई साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के बीच घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) ऑनलाइन शिक्षा के कारण बढ़ी मांग के बीच भारत में टैबलेट बाजार में 2020 में छह प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि हुई, जिसमें लेनोवो कंपनी 39 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार में अग्रणी रही। लेनोवो ने सैमसंग को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान पर कब्जा किया।

सीएमआर की टैबलेट पीसी मार्केट रिपोर्ट की समीक्षा में कहा गया है कि लेनेवो ने अपने व्यवसाय में मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

जोकोविच ने मियामी ओपन से लिया नाम वापिस, कहा- मैंने तय किया है...

मियामी । शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने कोरोना वायरस प्रतिबंधों के चलते मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया। इससे पहले रफेल नडाल और रोजर फेडरर भी नहीं खेलने का ऐलान कर चुके हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू हो रहा है और हर सत्र में 750 दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति है। जोकोविच ने एक बयान में कहा कि मैने तय किया है कि इस दौरान अपने परिवार के साथ घर पर रहूंगा। इतने प्रतिबंधों के बीच मुझे टूर पर अपने समय और परिवार के लिये समय में संतुलन बिठाना है। नडाल ने कमर में दर्द के कारण नाम वापिस ले लिया जबकि फेडरर घुटने के आपरेशन के बाद वापसी की कोशिश में हैं लेकिन यह टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज : श्रीलंका के खिलाफ 2011 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को दोहराना चाहेगा इंडिया

रायपुर ।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में इंडिया लेजेंडस का सामना श्रीलंका लेजेंडस से होगा और यह मुकाबला 2011 विश्व कप में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुए फाइनल की तरह होगा। इंडिया लेजेंडस के पास इस समय उस विश्व कप टीम के पांच खिलाड़ी हैं, जबकि श्रीलंका के पास 2011 विश्व कप उपविजेता टीम के छह खिलाड़ी फिलहाल इस टीम में हैं। सचिन तेंदुलकर की अगुवाई वाली इंडिया लेजेंडस की टीम में वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, यूसुफ पठान और मुनाफ पटेल जैस खिलाड़ी हैं, जबकि तेज गेंदबाज जहीर खान पिछले साल इस टीम का हिस्सा थे। इस बीच, श्रीलंका लेजेंडस टीम में कप्तान तिलकरत्ने दिलशान, रंगना हेराथ, नुवान कुलसेकरा, अजंता मेंडिस, चमारा सिल्वा और उपुल थरंगा शामिल हैं जो 2011 विश्व कप उपविजेता टीम का हिस्सा थे।कप्तान तेंदुलकर के नेतृत्व में इंडिया लेजेंडस 2011 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को दोहराने के लिए उत्सुक होगा, जबकि दिलशान के पास इस मुकाबले को जीतकर विश्व कप फाइनल में मिली हार का बदला लेने का मौका होगा। दोनों टीमें पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही हैं और एक-दूसरे से आगे निकलने की इच्छुक होंगी। तेंदुलकर की टीम में मजबूत और विस्फोटक बल्लेबाजी क्रम हैं, जिनमें कप्तान सहित सहवाग, युवराज, यूसुफ, कैफ, इरफान और मनप्रीत सिंह गोनी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। श्रीलंका की टीम भी कम नहीं है। सीजन में टॉप स्कोररों की सूची में शीर्ष तीन में उनके दो बल्लेबाज हैं। दिलशान सात मैचों में 250 रन बनाकर, दो अर्धशतक के साथ शीर्ष पर हैं और उसके बाद थरंगा हैं, जो पांच मैचों में 224 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इंडिया को हालांकि श्रीलंका की गेंदबाजी से सतर्क रहना होगा, जिसके गेंदबाज टॉप फॉर्म में हैं, खासकर आफ स्पिनर दिलशान। उनके अलावा पिछले मैच में पांच विकेट लेने वाले कुलसेकरा और धमिका प्रसाद पूरी गति से विरोधियों के लिए अपनी गेंदबाजी से खतरा बने हुए हैं। कुलसेकारा को पिछले मैच में दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट मिले थे। इंडिया को अपने गेंदबाजी विभाग में कड़ी मेहनत करनी होगी। पिछली बार जब इंडिया लेजेंडस और श्रीलंका लेजेंडस की भिड़ंत हुई थी, तो इंडिया ने पांच विकेट से जीत दर्ज की थी।

उज्बेकिस्तान, बेलारूस के साथ दोस्ताना मैच खेलेगी भारतीय महिला फुटबाल टीम

नई दिल्ली।

भारत की सीनियर महिला फुटबाल टीम अगले महीने पांच और आठ अप्रैल को क्रमशःउज्बेकिस्तान और बेलारूस के खिलाफ दोस्ताना मैच खेलेगी। टीम दिसंबर से ही गोवा में कैंप में है, जहां वो 2022 में भारत में आयोजित होने वाली एएफसी महिला एशिया कप की तैयारी कर रही है। हेड कोच मेमोल रॉकी ने उज्बेकिस्तान में होने वाले दोनों दोस्ताना मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है और उनका मानना है कि टीम की तैयारी गति पकड़ रही है। भारत ने दो साल पहले ही उज्बेकिस्तान के खिलाफ दोस्ताना मैच खेला था। रॉकी ने कहा, महामारी के बाद हम अब लगभग चार महीने से शिविर में हैं और टीम वास्तव में अच्छी तरह से एक साथ मिल रही है। उज्बेकिस्तान और बेलारूस दोनों ही टीम काफी मजबूत हैं और उन मैचों में लड़कियों को पर्याप्त चुनौती मिलेगी।

23 सदस्यीय भारतीय महिला टीम :

गोलकीपर : अदिति चौहान, सोमिया नारायणसामी, एम लिनथिंगंबी देवी।

डिफेंडर: जबामानी टुडू, आशालता देवी, स्वीटी देवी, रितु रानी, ?? रंजना चानू, लिनथिंगंबी देवी, कृतिना देवी, अंजू तमांग।

मिडफील्डर्स : इंदुमति कथायर्सन, मनीषा, संगीता बसरोस, मार्टिना थोकोकम, प्यारी सासा, डंगमेई ग्रेस, सौम्या गुगुलोथ।

फॉरवर्डर्स : रेणु, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरविकार, संध्या रंगनाथन, सुमति कुमारी, हीगुरुजम दया देवी।

रोनाल्डो फिर 'सीरि ए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुने गए

मिलान । क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लगातार दूसरे साल इटालियन फुटबॉल लीग सीरि ए का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रोनाल्डो ने युवेंटस के लिये 2019 में पदार्पण के बाद यह पुरस्कार जीता था। पिछले साल कोरोना महामारी के कारण यह पुरस्कार नहीं दिया गया। रोनाल्डो ने पिछले सत्र में 33 लीग मैच में 31 गोल किए जिसके दम पर युवेंटस ने लगातार नौवीं बार सीरि ए खिताब जीता। रोनाल्डो ने कहा, 'शुरूआत में खाली स्टेडियमों में खेलना मुश्किल था लेकिन जीत का लक्ष्य रखकर हम ऐसा करने में कामयाब रहे। आत्मविश्वास, खेल के लिए जुनून और अनुशासन के दम पर ही मैं हर साल इस उम्र में भी ऐसा प्रदर्शन कर पा रहा हूं।'

टेटे : कमल-मनिका की मिश्रित युगल जोड़ी ने ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

दोहा।

अचंता शरथ कमल और मनिका बत्रा की मिश्रित युगल भारतीय जोड़ी ने इस साल 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

दुनिया की 18वीं रैंकिंग की कमल-मनिका की मिश्रित युगल जोड़ी ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबले में शनिवार को सांग-सू ली और जिही जियोन की वर्ल्ड नंबर 5 कोरियाई जोड़ी को 4-2 से हराकर टोक्यो ओलंपिक का टिकट कटाया। टोक्यो ओलंपिक में भारत का अब टेबल टेनिस में पुरुष एकल, महिला एकल और मिश्रित युगल वर्ग में प्रतिनिधित्व करना तय है।

कमल ने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि यह अभूतपूर्व नहीं है। मनिका और मेरे लिए यह सबसे बड़ी जीत है। मैं सुबह 5 बजे से ही नहीं सोया था और बहुत दबाव में था क्योंकि यह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए हमारा एकमात्र मौका था। मिश्रित टीम स्पर्धा में एशियाई खेलों के कांस्य-पदक विजेता ने कहा, हमने दो हार के साथ शुरूआत की, लेकिन इस तरह के शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ यह जीत निश्चित रूप से हमें टोक्यो खेलों के लिए मजबूत पदक के दावेदार होने का विश्वास दिलाएगी। इससे पहले, अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी कमल, जी साथियान, सुतीर्था मुखर्जी और मनिका ने एकल वर्ग में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। साथियान ने दो जीत के साथ एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में साउथ एशिया ग्रुप में टॉप पर पहुंचकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इस बीच, कमल ने गुरुवार को पांच ग्रुपों के बीच सर्वोच्च रैंक दूसरे स्थान पर रहकर टोक्यो का टिकट कटाया। महिला एकल में सुतीर्था मुखर्जी ने देश की मनिका बत्रा को हराकर ओलिंपिक का टिकट कटाया। हालांकि सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग होने के चलते बत्रा का भी टोक्यो में खेलना तय है।

बीसीसीआई ने आईपीएल के बायो सिक्योर प्रोटोकॉल जारी किया

नई दिल्ली ।

बीसीसीआई ने आईपीएल के बायो सिक्योर प्रोटोकॉल तय कर दिया हैं। इसके मुताबिक खिलाड़ी एक बबल से दूसरे बबल में जा सकते हैं। इससे किसी भी देश के खिलाड़ी टीम के बबल से आईपीएल टीम के बबल में आ सकते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही सीरीज में शामिल होने वाले खिलाड़ी सीधे बबल में जाएंगे और उन्हें क्वारंटाइन में नहीं रहना होगा। इस बार लीग के मुकाबले 9 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं, जो 30 मई तक चलने वाले है। देश के 6 वेन्यू पर मुकाबले होने हैं। मिली जानकारी के मुताबिक भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी बिना क्वारंटाइन के बबल में शामिल हो सकते हैं। लेकिन अन्य खिलाड़ी, फ्रेंचाइजी मालिक, मैनेजमेंट के सदस्य, कॉमेंटेटर और मैच अधिकारियों को 7 दिन के क्वारंटाइन में जाना होगा। बीसीसीआई के अनुसार, भारत-इंग्लैंड सीरीज के लिए जो बबल बनाया गया है, उससे आने वाले खिलाड़ी बिना क्वारंटीन के फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ सकते हैं। इसके लिए हालांकि उन्हें टीम होटल से सीधे टीम बस या चार्टर्ड फ्लाइट से आना होगा। अगर चार्टर्ड फ्लाइट का इस्तेमाल किया जाता है,तब सभी सदस्यों को प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। अगर यातायात संबंधी इंतजाम बोर्ड के चीफ मेडिकल अधिकारी के मुताबिक होते हैं,तब वहां खिलाड़ी सीधे फ्रेंचाइजी के बबल में शामिल हो सकता है और क्वारंटीन या आरटी-पीसीआर टेस्ट की जरूरत नहीं होगी।

बोर्ड की ओर से फ्रेंचाइजी को भी सहूलियत दी गई है।विदेशी खिलाड़ियों जैसे दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच चल रही सीरीज। फ्रेंचाइजी के अधिकारियों ने कहा है कि बबल टू बबल नियम तभी लागू होगा जब वह चार्टर्ड फ्लाइट से आएंगे। यानी इन खिलाड़ियों को भी क्वारंटाइन नहीं रहना होगा। लीग के दौरान कुल मिलाकर 12 बबल बनाए जाएंगे। 8 बबल फ्रेंचाइजी और सपोर्ट स्टाफ के लिए बनने वाले है। 2 बबल मैच अधिकारियों, मैच मैनेजमेंट टीम के लिए और दो बबल ब्रॉडकास्ट कॉमेंटेटर, क्रू के लिए होगा। बीसीसीआई के अनुसार उसके अधिकारी और ऑपरेशन टीमें किसी भी तरह के बबल का हिस्सा नहीं होंगी। इसकारण बीसीसीआई अधिकारी खिलाड़ियों, टीम सपोर्ट स्टाफ, मैच मैनेजमेंट टीम और ब्रॉडकास्ट क्रू से व्यक्तिगत तौर पर संपर्क नहीं कर सकते है।

कोई भी फ्रेंचाइजी मालिक यदि बबल का हिस्सा होना चाहते हैं, उन्हें टीम होटल में 7 दिन क्वारंटाइन रहना होगा। इस तरह के कड़े प्रोटोकॉल इसलिए भी लागू किए जा रहे हैं ताकि किसी भी तरह दिक्क ना हो।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटनः पीवी सिंधु सेमीफाइनल में थाईलैंड की खिलाड़ी से हारीं, भारतीय चुनौती समाप्त

बर्मिंघम. भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप का सफर समाप्त हो गया। शनिवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें थाईलैंड की छठी वरीय पोर्नपावी चोचुवॉन्ग के हाथों हार का सामना करना पड़ा। बर्मिंघम में 45 मिनट के खेल में थाईलैंड की खिलाड़ी सिंधु पर हावी रहीं और मैच को 21-17, 21-9 से जीत लिया। सिंधु की हार के साथ ही ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। गौरतलब है कि इससे पहले सिंधु ने शुक्रवार को जापान की तीसरी वरीय अकाने यामागुची को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

श्यामला ने रचा कीर्तिमान, पाक जलडमरूमध्य को पार करने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं

हैदराबाद । भारत के हैदराबाद की रहने वाली श्यामला ने नारी शक्ति और साहस की मिसाल पेश करते हुए भारत और श्रीलंका को विभाजित करने वाले 30 किलोमीटर लंबे पाक जलडमरूमध्य को 14 घंटे में पार कर नया कीर्तिमान बनाया है। बुला चौधरी के बाद वह इस मुकाम को हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं। श्यामला ने श्रीलंका के तट से शुक्रवार को तड़के 4.15 बजे अपने मिशन की शुरुआत की और 13 घंटे 43 सेकेंड तक लगातार तैरने के बाद तमिलनाडु के धनुषकोडि में पहुंचकर उन्होंने अपने सफर की समाप्ति की। बुला चौधरी ने साल 2004 में इस रिकॉर्ड को हासिल किया था। अभी कुछ ही साल पहले तैराकी को गंभीरता से लेने वालीं 46 वर्षीय श्यामला नेशनल ओपेन वॉटर गंगा रिवर स्वीमिंग कम्पटीशन जैसे नामी स्विमिंग इवेंट्स में भी अपना परचम लहरा चुकी हैं। इसमें उन्होंने 13 किलोमीटर की दूरी को एक घंटे 50 मिनट में तय किया था। अपने इस मिशन के लिए श्यामला ने गाचीबोवली में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के स्विमिंग पूल में प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

संक्षिप्त समाचार

हार के बाद बोले विजेंदर सिंह, मजबूती से वापसी करूंगा

पणजी। भारतीय मुक्केबाज विजेंदर रूस के अर्तिश लोपसान से बैटल आफशिप मुकाबले में हार गए हैं। विजेंदर लगातार 12 मुकाबलों से अजेय थे। उनका 7वां बाऊट खेल रहे रूसी मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबला था इस वह पांचवें राऊंड में हार गए। हारने के बाद विजेंदर ने कहा, मैं इस हार के बाद मजबूती से वापसी करूंगा। यह अच्छा मुकाबला था। वह युवा और दमदार मुक्केबाज है। मैं वापसी कर उस मॉस्को में हराऊंगा। रूस के मुक्केबाज अर्तिश लोपसान ने कहा कि स्टार मुक्केबाज विजेंदर सिंह के पेशेवर सर्किट पर अजेय अभियान को खत्म करने वाला पहला मुक्केबाज बनने की उन्हें खुशी है। छह फुट चार इंच लंबे इस मुक्केबाज ने विजेंदर को 'बैटल आन शिप' पर हराया। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता विजेंदर 2015 में पेशेवर सर्किट में उतरे थे और तब से लगातार 12 मुकाबले जीत चुके थे। अपना 7वां बाउट खेल रहे रूसी मुक्केबाज ने 'मैजेस्टिक प्राइड कैसिनो' जहाज पर हुए मुकाबले में जीत दर्ज करके स्थानीय दर्शकों का दिल तोड़ दिया। पांचवें दौर में एक मिनट और नौ सेकंड के बाद रैफरी ने रूसी मुक्केबाज को विजयी घोषित किया। लोपसान ने कहा कि, विजेंदर के खिलाफ मेरी रणनीति कारगर रही। वह शानदार फाइटर है और यह बेहतरीन अनुभव रहा। मुझे खुशी है कि विजेंदर सिंह का अजेय रिकॉर्ड तोडने वाला मैं पहला मुक्केबाज बना।

टोक्यो ओलंपिक में विदेशी दर्शकों को नहीं मिलेगी एंट्री

टोक्यो. टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी की चिंताओ को देखते हुए आगामी ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में विदेशी दर्शकों को एंट्री नहीं दी जाएगी। आयोजकों ने जापान की पांच दलों-अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी), टोक्यो मेट्रोपॉलिटन गवर्नमेंट(टीएमजी), टोक्यो 2020 आयोजन समिति और जापान सरकार के बीच हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया है और उन्होंने अपने इस फैसले से आईओसी और आईपीसी को अवगत करा दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।बैठक के दौरान, फैसला लिया गया कि कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों 2020 के लिए विदेशी दर्शकों को जापान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही यह भी फैसला किया गया है कि टोक्यो 2020 आयोजन समिति विदेशी दर्शकों के टिकटों की राशि वापस कर देगी। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, हम दुनिया भर के सभी उत्साही ओलंपिक प्रशंसकों और एथलीटों के परिवारों और दोस्तों की निराशा की समझते हैं, जो खेलों में आने की योजना बना रहे थे। इसके लिए मुझे वास्तव में खेद है। हम जानते हैं कि यह हर किसी के लिए एक बलिदान है। हमने इस महामारी की शुरूआत से ही कहा है कि इसके लिए बलिदान की आवश्यकता होगी।

ज़ी सिनेमा पर संपूर्ण फैमिली एंटरटेनर 'रिश्ते: ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' का प्रीमियर, 21 मार्च को

ज़ी सिनेमा आगामी 21 मार्च को फिल्म 'रिश्ते = ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' के प्रीमियर में आपके लिए रोमांस, एक्शन और मनोरंजन का शानदार मिश्रण लेकर आ रहा है। इस फिल्म में नागा चैतन्य और रकुल प्रीत सिंह ने लीड भूमिकाएं निभाई हैं, और मशहूर एक्टर नागार्जुन इस फिल्म के निर्माता हैं। यह एक्शन और ड्रामा से भरपूर एक प्रेम कहानी है, जिसके केंद्र में दो परिवारों की आपसी दुश्मनी है। इस फिल्म के किरदार बिल्कुल अपने-से लगते हैं और इसकी कहानी बड़ी दिलचस्प है, जिसमें भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से पिरोया गया है। तो आप भी देखना ना भूलें 'रिश्ते = ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' का प्रीमियर, 21 मार्च को दोपहर 12:30 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।

इस फिल्म के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा, "रिश्ते = ए ग्रैंड सेलिब्रेशन, इस इंडस्ट्री में मेरे सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। एक एक्टर के रूप में शिवा का किरदार निभाना हमेशा मेरे लिए खास रहेगा, जो अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है। इसके अलावा, मेरे पिता नागार्जुन, जो इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, इसकी शुरुआत से लेकर प्रमोशन तक सक्रिय रहे हैं। इन सभी बातों से यह फिल्म मेरे लिए और ज्यादा स्पेशल हो जाती है। मैं ज़ी सिनेमा पर 'रिश्ते : ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' के प्रीमियर को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि दर्शकों को भी इसे देखने में बहुत मजा आएगा।"

'रिश्ते = ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' एक्शन से भरपूर कहानी है, जिसमें प्यार और पारिवारिक मूल्यों की अहमियत बताई गई है। शिवा (नागा चैतन्य) एक सख्त मिजाज का, लेकिन सीधा-सादा इंसान है, जिसे ब्रह्मारंबा (रकुल प्रीत सिंह) से प्यार हो जाता है। दोनों एक दूसरे के साथ रहने के लिए दुनिया से लड़ते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पीढ़ियों से चली आ रही अपने परिवारों की दुश्मनी का सामना करना होगा। क्या वो इन मुश्किलों से जीत पाएंगे और अपना प्यार हासिल कर सकेंगे? क्या वो अपने परिवारों की दुश्मनी खत्म करके उन्हें एक कर पाएंगे?

जानने के लिए देखिए 'रिश्ते: ए ग्रैंड सेलिब्रेशन' का प्रीमियर, 21 मार्च को दोपहर 12:30 बजे, ज़ी सिनेमा पर।

कोरोना के लिए मास्क व टीकाकरण ही उपाय: रुपाणी

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि गुजरात में दिन का कर्फ्यू नहीं लगेगा । सरकार निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाने के लिए जल्द क्लिनिकल एस्टाब्लिशमेंट एक्ट लाएगी । गांधीनगर में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में लगातार खेल रहे कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन अथवा दिन के कर्फ्यू की आशंकाओं को नकारते हुए दो टूक कहा है कि राज्य में दिन का कर्फ्यू नहीं लगाया जाएगा । पिछले दो-तीन दिन से कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए सरकार महानगरपालिका तथा पुलिस एवं प्रशासन जिस तरह के प्रयास कर रही है । उससे राज्य में एक बार फिर लॉकडाउन अथवा दिन का कर्फ्यू लगाए जाने की अफवाहें फैलने लगी थी । जिन्हें निर्गुण बताते हुए रुपाणी ने कहा की दिन के कर्फ्यू की कोई ज रूरत नहीं है । कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए मास्क तथा टीकाकरण ही उपाय है । लोगों को शारीरिक दूरी तथा सैनिटाइजर का उपयोग भी करते रहना चाहिए । चुनावों के कारण कोरोना संक्रमण फैलने के आरोपों के जवाब में रुपाणी बोले कि चुनाव से पहले भी कोरोना संक्रमण फैला था । राज्य में जगह जगह कोरोना पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस तथा प्रशासन की शक्तिके खिलाफ लोगों में आक्रोश नजर आ रहा है तथा करीब एक साल तक कोरोना महामारी के दौरान व्यापार व उद्योग के नुकसान को झेल चुके लोग अब किसी भी कीमत पर अपना व्यापार बिजनेस तथा उद्योग धंधे बंद नहीं करना चाहते हैं । सरकार ने भी लोगों में फैल रहे लॉकडाउन अथवा दिन के कर्फ्यू के भय को निकालने के लिए इसकी घोषणा की है । मुख्यमंत्री ने कहा की राज्य में कोरोना पर नियंत्रण के लिए सरकार के पास पर्याप्त साधन तथा अस्पतालों में बेड उपलब्ध हैं ।

राज्य में पहले प्रतिदिन १,५५००० लोगों को टीके लगाए जा रहे थे लेकिन अब रोजाना ३ लाख लोगों से अधिक को टीका लगाया जाएगा । राज्य सरकार ने अहमदाबाद सूरत व राजकोट सहित सभी आठ महानगर पालिकाओं में स्कूल कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों को बंद रखने का फैसला किया था अब ट्यूशन क्लासेज को भी १० अप्रैल तक बंद रखने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं । मुख्यमंत्री रुपाणी ने कहां है कि शनिवार तथा रविवार को राज्य के सभी मॉल मल्टीप्लेक्स तथा सिनेमाघरों को भी बंद रखा जाएगा । सभी महानगरपालिका वह जिला प्रशासन ने शहरों के सार्वजनिक बाग-बगीचा, जिम, स्नानागार आदि को पहले ही बंद करने का फैसला कर लिया था ।

सिडबी ओर दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की साझेदारी ने स्टैंडअप इंडिया योजना को आगे बढ़ाने हेतु "स्वावलंबन संकल्प – मेगा अभियान" के 16 वेबिनार पूरे किए

सूरत।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास मेंसंलग्न एक प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) नेदलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के साथ साझेदारी में आज 'स्वावलंबन संकल्प ङ्क मेगा अभियान'के 16 वेबिनार एपिसोड को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।यह अभियान, महिलाओं और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के वंचित और असेवित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भारत सरकार के एक प्रमुख कार्यक्रम,स्टैंड-अप इंडिया (एसयूआई) योजना,को बढ़ावा देने के लिए जागरूकत के विस्तार और व्यवसाय अवसरप्रदान करने के लिए एक-दिवसीय कार्यक्रमों की एक श्रृंखला है। इस अभियान के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आकांक्षी उद्यमियों कोवेबिनारके माध्यम से व्यवसाय के बारे में व्यावहारिक समझ प्रदान कर उन्हें रोजगार ढूढ़ने की बजाय रोजगार प्रदाता बनने का अवसर दिया जाता है।

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा,ज़्स्वावलंबन संकल्प - मेगा अभियानज़्अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लक्षित युवाओं और उद्यमियों में स्वावलंबीबनने की ज्योति को प्रज्वलित करने का प्रयास करता है। हर अगले एपिसोड के साथ इस अभियान को विकसित होते देखकर खुशी होती है। आज,बैंक से ऋण-प्राप्ति और योजना के पहलुओंके बारे में बैंकरों द्वारा अपनी अनुभवसिद्ध जानकारी को साझा किए जाने के अलावा, आमंत्रित व्यवसायों ने अपने फ्रैंचाइज़ी मॉडल का भी प्रदर्शन किया और इसी के साथ सफल स्टैंडअप इंडिया उद्यमियों ने भी आकांक्षी उद्यमियों के साथ अपनी प्रेरणादायक उद्यमिता यात्रा को भी साझा किया। 27 नवंबर, 2020 सेआरंभ की गई यहवेबिनार श्रृंखला प्रत्येक शुक्रवार को शाम 4: 00 बजे आयोजित की जाती है और इस प्रकार के 24 वेबिनार पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

गुजरात सरकार ने १९७ करोड़ का विमान खरीदा है

अहमदाबाद ।

गुजरात विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल चल रहा है । दानिलिमडा के कांग्रेसी विधायक शैलेश परमार ने गुजरात सरकार द्वारा नए विमान की खरीद और उसके इस्तेमाल को लेकर सदन में सवाल पूछा था जिसका जवाब राज्य के नागरिक उड्डयन मंत्री ने दिया । अभी तक किसी ने भी गुजरात सरकार के लिए खरीदे गए विमान का इस्तेमाल नहीं किया है। शैलेश परमार ने इस तथ्य पर सवाल उठाया कि नागरिक उड्डयन मंत्री को २६-८-२०१९ को राज्य सरकार द्वारा एक नया विमान खरीदने की अनुमति दी गई थी । जवाब में नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा, "हां, यह सच है । परमार ने सवाल किया कि अगर यह सच्च कि सरकार द्वारा इसकी अनुमति दी गई थी तो यह विमान राज्य सरकार को कब मिला? इस पर नागरिक उड्डयन मंत्री ने जवाब दिया कहा कि राज्य सरकार को १४ अक्टूबर, २०१९ को विमान मिल गया था। कांग्रेस विधायक ने यह भी सवाल किया कि विमान के लिए कंपनी को कितना पैसा दिया गया है। जवाब में सरकार ने कहा कि कंपनी को विमान के लिए २७,६,४७,०० रुपये का भुगतान किया गया था। यानी करीब १९७,९०,२२,३६६ (एक अरब ९७ करोड़ रुपया) रुपये का भुगतान किया गया है । शैलेश परमार ने पूछा कि उक्त विमान का रख-रखाव कब तक उक्तकंपनी द्वारा मुफ्त में किया जाएगा? जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि चूंकि कंपनी रखरखाव का काम नहीं कर रही है, इसलिए ऐसा कोई सवाल पैदा नहीं होता । गौरतलब है कि विमान गुजरात सरकार द्वारा खरीदा गया है और इसका उपयोग मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, राज्यपाल आचार्य देवव्रत, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और अन्य वीवीआईपी द्वारा किया जाना है । हालांकि विमान को खरीदे

हुए करीब डेढ साल का समय हो चुका है लेकिन इसका इस्तेमाल अब तक नहीं हुआ है। यह बिज नेस चार्टर विमान पहली बार अमेरिकी इनोवेटर बिल लेयर द्वारा बनाया गया था। चैलेंजर चेन का यह पांचवां विमान है, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यह एक बार में १२ यात्रियों के साथ करीब ७००० किमी की दूरी तय कर सकता है। इसकी गति ८७० किमी प्रति घंटा है।

AIDS की जानकारी छुपाई तो बीमा राशि नहीं मिलेगी

अहमदाबाद ।

जीवन बीमा निगम ने एक व्यक्ति की मौत के बाद उसकी पत्नी को बीमा शशि देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसका पति एड्स पीड़ित था तथा उसने बीमा कंपनी को इसके बारे में जानकारी नहीं दी । अगर आपने जीवन बीमा निगम को अपनी बीमारी के बारे में सूचित नहीं किया तो हो सकता है आपके जाने के बाद पश्विार को बीमा शशि नहीं मिले । उत्तर गुजशत के पाटन निवासी एक व्यक्तिने २००७ में जीवन बीमा निगम से पॉलिसी ली थी । २०११-१२ में इस पॉलिसी का नवीनीकरण कश दिया लेकिन अपनी मेडिकल स्थिति के बारे में जीवन बीमा निगम को जानकारी नहीं दी । उत्तर गुजशत के पाटन में श्हने वाले उक्त व्यक्ति की मौत गत ८ मई २०१२ को सीढ़ियों से गिश्ने के काश्ण हो गई थी उसकी विधवा पत्नी ने जीवन बीमा निगम को सूचित कर जब बीमा शशि के लिए क्लेम किया तो जीवन बीमा निगम ने उसका कोई जवाब नहीं दिया । सूचना के अधिकाश के तहत जब उस महिला ने जानकारी चाहिए तो जीवन बीमा निगम ने अपने जवाब में बताया कि आपके पति को एड्स का संक्रमण था तथा फरवरी २०१० में उनको इसकी जानकारी भी हो गई थी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने २०११-२१ मैं नवीनीकरण के दौरान बीमा निगम को इसकी जानकारी नहीं थी । विधवा महिला ने कंज्यूमर फोरम में एक याचिका दाखिल कर बीमा निगम से क्लेम दिलाने की मांग की तो फोरम ने उसके पक्ष में फैसला दिया लेकिन बीमा निगम ने इसकी अपील

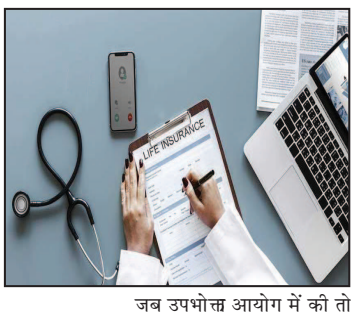

जब उपभोक्त आयोग में की तो आयोग ने बीमा निगम के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि मृत व्यक्तिने अपनी बीमारी को छुपा कर बीमा निगम के नियमों का उल्लंघन किया है इसलिए अब उसकी पत्नी क्लेम की हकदार नहीं हो सकती हैं ।

तूर दाल पर विपक्ष के आरोप का जवाब नहीं दे पाए मंत्री, मुख्यमंत्री हुए बेचैन

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा में आज लगातार दूसरे दिन विपक्ष ने आक्रामक रुख अपनाया और गरीबों में वितरित की जाती तूर दाल में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। विधानसभा में मौजूद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी उस समय असहज हो गए जब खाद्य आपूर्ति मंत्री जयेश रादडिया विपक्ष के आरोपों का बदल बदल कर जवाब देने लगे। कांग्रेस सदस्यों ने सबूतों के साथ सरकार से सवाल किए थे। कांग्रेस विधायक किरीट पटेल ने आरोप लगाया कि सरकार तूर प्रति किलो रु. 39 के रेट पर तूर दाल की खरीदी करती है और यही दाल गरीबों में रु. 62 में वितरित की जाती है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार प्रति किलो दाल रु. 22 रुपए गरीबों से मुनाफा कमा रही है। इसके जवाब में पहले तो सरकार ने तूर दाल की खरीदी से इंकार कर दिया। लेकिन जब कांग्रेस विधायक शैलेष परमार ने सदन में दाल की खरीदी सबूत पेश किए। पूरी तैयारी के साथ आए विपक्ष के आक्रमण से सरकार दबाव में आ गई। कैबिनेट मंत्री जयेश रादडिया विपक्ष के आरोपों का सही जवाब नहीं दे पाए। जिससे मुख्यमंत्री विजय रूपाणी असहज हो गए। दरअसल जयेश रादडिया बार बार अपना जवाब बदल रहे थे। जिसकी वजह से विपक्ष सरकार पर हावी हो गया। पहले रादडिया ने कहा कि सरकार दाल की खरीदी ही नहीं करती। बाद में कहा कि नाफेड से लेकर प्रोसेस कराने के बाद गरीबों को देते हैं और उसके बाद कहा कि परिपत्र के निर्धारित दाम पर खरीदी नहीं की गई।

२४ घंटे में कोरोना के कुल १५६५ मामले सामने आए

अहमदाबाद ।

गुजरात राज्य में लगातार कोरोना वायरस के मामले अब लगातार बढ़ रहे है । गुजरात में बीते २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के १५६५ नए मामले सामने आए है । नए मरीजों की पुष्टि के साथ ४४४३ व्यक्ति की मौत दर्ज की गई । पिछले २४ घंटे में राज्य में छह व्यक्ति की मौत हो गई है । जिसमें अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २, सुरत कॉर्पोरेशन में २, राजकोट में १, वडोदरा कोर्पोरेशन में १ व्यक्ति शामिल है ।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में अबतक २७४२४९ मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया गया

है जबकि अबतक ४४४३ की कोरोना वायरस के कारण मौत दर्ज की गई है । अहमदाबाद में ४०६ कोरोना वायरस के मामले सामने आये है ।

गुजरात में पिछले २४ घंटे में गुजरात में कुल छह व्यक्तियों की मौत हो चुकी है । राज्य में कुल मृतांक ४४४३ पर पहुंच चुका है । ९६९ मरिजो को ठीक होने के बाद डीस्चार्ज कर दिया गया है । गुजरात राज्य में कुल एक्टीव केसो की संख्या ६७३७ है । ६९ मरिज वेन्टीलेटर पर है और ६६६८ मरिज स्टेबल है । राज्य में १६ जनवरी से कोरोना के टीकाकरण का आरंभ किया जा चुका है । अभी तक में कुल २८,३६,२०४ व्यक्तियों का पहला डोज का और ५,९२,७१२ व्यक्तियों के दूसरे डोज का टीका पूरा हुआ । अभी तक में राज्य में एक भी व्यक्ति को यह वैक्सीन की वजह से गंभीर साइडइफेक्ट देखने को नहीं मिला है । राज्य में रिकवरी रेट ९६.०८ फीसदी है । राज्य में अभी तक में हेल्थ विभाग के काफी प्रयासों की वजह से २७४२४९ मरीजों ने कोरोना को मात दी है । पिछले २४ घंटे में राज्य मे ९६९ लोगो को डिस्चार्ज किया गया है । बीते कुछ दिनों से गुजरात में कोरोना के १५०० के आसपास मामले सामने आ रहे हैं ।

सुपर स्प्रेडर का खिताब गुजरात भाजपा प्रमुख ले जाएंगे : अर्जुन मोढवाडिया

अहमदाबाद।

शहर में फिर एक बार कोरोना संक्रमण बढ़ने से हरकत में आए अहमदाबाद महानगर पालिका ने सुपर स्प्रेडरों का दोबारा कोरोना टेस्ट करने का फैसला किया है। अहमदाबाद मनपा के इस फैसले पर गुजरात कांग्रेस के नेता अर्जुन मोढवाडिया ने सवाल उठाते हुए ट्वीट किया है। मोढवाडिया ने अपने ट्वीट में लिखा "अहमदाबाद/गुजरात में कोरोना का सुपर स्प्रेडर की व्याख्या में कौन कौन शामिल है? बेस्ट सुपर स्प्रेडर का अवार्ड तो गुजरात भाजपा के मुखिया ही ले जाएंगे। मोढवाडिया ने आगे लिखा-जनता आप से योग्य कार्यवाही की अपेक्षा कर रही है मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी।" बता दें कि राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त मुकेश कुमार और विभिन्न जोन के उपायुक्तों के साथ हुई बैठक में पहले की भांति शहर में सुपर स्प्रेडर्स का कोरोना टेस्टिंग करने का फैसला किया है। इसके अंतर्गत सब्जी, किराना और दवाई विक्रेता समेत नाई, ऑटो रिक्शा ड्राइवर, निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों का रेपिड एन्टीजन टेस्टिंग कर उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा फूड आइटम और अन्य होम डिलीवरी करने वाले, सुपर मार्केट में कार्यरत कर्मचारियों के लिएभी आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है और इसकी जिम्मेदारी सबंधित संस्थाओं की होगी।

मोबाईल में खो चुके युवाओं को किताबी दुनिया में लाने के लिए, पुस्तक मेले का आयोजन

सूरत ।

सूरत शहर के पुस्तक प्रेमियों के लिए एक बडा बुक फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस बुक फेयर में हजारों लेखको की हजारो विषयो पर 2 लाख से ज्यादा किताबों को विशाल संग्रह प्रदर्षित किया जायेगा पुस्तक मेले में बडी संख्या में साहित्यकारों, छात्रों और पढने के सौकीन लोगो कों आमंत्रित किया गया है।

उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था किताब लवर्स के श्री हरप्रीतसिंह चावला ने दी । उन्होने बताया कि बुक फेयर किताब लवर्स का आयोजन इसकान मोल राजहंस टाकिज के सामने में 18 से 23 मार्च तक किया जा रहा। श्री चावला ने बताया कि प्रदर्षनी का मकसद डिजीटल दुनिया में किताबों और साहित्य से दूर होते युवाओं को इसकी महत्ता बताना है। आज भी किताबों को हाथों में लेकर पढना एक सुखद अहसास कराता है। संस्था अब तक देश भर में 16 से ज्यादा प्रदर्षनी लगा चुकी हैं । प्रदर्षनी के बारे में जानकारी देते हु, उन्होने बताया कि यंहा हजारों लेखकों की 2 लाख से ज्यादा किताबो का संग्रह है। जिनमें साहित्य, किस्से कहानियों और कविताओं की किताबो के साथ ही, बायोग्राफिक, अपराध, ज्योतिष, राजनीतिक परीदृशियो परिदुस्यो, इंटरनेशनल एश्युज़, कुकिंग ,डिक्शनरी फोटोग्राफी वाईल्ड लाईफ, इनसायक्लोपीडिया, रोमांस, फेतेसी, धर्म और विज्ञान की किताबे पाशील है।

हिंदी और एंगल्स विषय की इन किताबों के सैकडों नेशनल और इंटरनेशनल आथर्स है। प्रदर्षनी में विभिन्न विषयो की बेस्ट सेलर किताबो को भी प्रदर्षनी किया जायेगा श्री चावला ने बताया कि प्रदर्षनी आयोजन कोविड की आदर्श गाइडलाईन का पालन करते हुए , ही किया जाएगा

आदिवासियों के लिए शब्दों के इस्तेमाल को लेकर भाजपा-कांग्रेस में टकराव

वनवासी और वनबंधु शब्दों का इस्तेमाल न करने के लिए कहा और दावा किया कि ये शब्द असंवैधानिक तथा अपमानजनक हैं

गांधीनगर ।

गुजरात विधानसभा में विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को भाजपा सरकार से आदिवासियों का जिक्र करते हुए वनवासी और वनबंधु शब्दों का इस्तेमाल न करने के लिए कहा और दावा किया कि ये शब्द असंवैधानिक तथा अपमानजनक हैं। कांग्रेस ने राज्य सरकार से आदिवासी समुदाय को केवल आदिवासी कहने तथा इस संबंध में एक परिपत्र जारी करने के लिए कहा। राज्य के आदिवासी कल्याण मंत्री गणपत वसावा ने कहा कि ये शब्द बरसों से इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और यहां तक कि राज्य तथा केंद्र में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने आदिवासी कल्याण योजनाओं में "वनबंधु" और "वनवासी" शब्दों का जिक्र किया था। वसावा ने विधानसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, "ये शब्द केवल कुछ आदिवासी कल्याण योजनाओं जैसे कि वनबंधु कल्याण योजना में इस्तेमाल किया जाता है। हमारी सरकार ने आदिवासी शब्द के स्थान पर 'वनवासी' और 'वनबंधु' इस्तेमाल करने का कोई परिपत्र जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन शब्दों को नहीं गढ़ा है बल्कि ये १९७६ से इस्तेमाल में हैं जब गुजरात में कांग्रेस सत्ता में थी। कांग्रेस विधायक चंद्रिका बारिया ने दावा किया कि इन शब्दों के इस्तेमाल से आदिवासियों की भावनाएं आहत होती है जबकि एक अन्य आदिवासी विधायक अनिल जोशीरा ने सरकार से इन शब्दों पर रोक लगाने और केवल आदिवासी शब्द का इस्तेमाल करने के लिए कहा। जोशीरा ने कहा, "'वनवासी' शब्द असंवैधानिक है। इसका साफ तौर पर मतलब वन में रह रहे 'जंगली' (असभ्य) लोगों से है। आदिवासियों के लिए आदिवासी ही उचित शब्द है। आदिवासी का मतलब है बरसों से इस सरजमीं पर रह रहे लोग हैं। इन शब्दों पर रोक लगाने के लिए कृपया एक परिपत्र जारी करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)